निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक
सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 239 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ गुरुवार 04 जून ॥ 2026

सच-संक्षेप

गुजरात के पूर्व मंत्री योगेश पटेल का निधन

वडोदरा । गुजरात के पूर्व मंत्री और आठ बार के भाजपा विधायक योगेश पटेल का निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। वडोदरा शहर के मंजलपुर से मौजूदा विधायक पटेल लंबे समय से अस्वस्थ थे। उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पिछले दो दिनों से स्थानीय अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पटेल ने 36 वर्षों तक विधायक के रूप में कार्य किया और 1990 से लगातार आठ बार गुजरात विधानसभा के लिए चुने गए।

कॉलेज के छात्रसंघ कार्यालय में मिले नोटों से भरे दो बैग

कोलकाता। कोलकाता के सुरेंद्रनाथ कॉलेज में मंगलवार को छात्रसंघ कार्यालय के कमरे की एक अलमारी से नोटों से भरे दो बैग मिलने के बाद सनसनी फैल गई। बरामद नकदी के एक हिस्सा में दीमक लगी है। जानकारी के अनुसार मच्छरों के लार्वा की रोकथाम के लिए कोलकाता नगर निगम की टीम कॉलेज पहुंची थी। इस दौरान बंद छात्रसंघ कक्ष का ताला तोड़ा गया तो अलमारी में रखे दो बैगों में 50 से 60 लाख रुपये की नकदी मिली।

मणिपुर- जबरन वसूली में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने व्यापारियों से जबरन वसूली के आरोप में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को इंफाल पूर्वी जिले से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के कैडर मैबम अरुण सिंह (49) और थंगजाम सुरनकुमार सिंह (30) पकड़े गए। वहीं, इंफाल पश्चिमी जिले के एक कार्यालय परिसर से कांग्लेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के सदस्य ब्रह्मचारिमयूं सना शर्मा (38) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि ये उग्रवादी स्थानीय लोगों और छोटे व्यवसायों को डरा-धमकाकर पैसे मांगते थे।

अब्दुल कलाम द्वीप के पास छह दिन के लिए नोटम जारी

नई दिल्ली। भारत ने बंगाल की खाड़ी स्थित अब्दुल कलाम द्वीप के पास 4 से 9 जून तक के लिए नोटम जारी किया है। इस दौरान क्षेत्र में जहाजों व विमानों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। डीआरडीओ यहां से किसी अत्याधुनिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने वाला है, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले मई में भी नोटम जारी कर अग्नि सीरीज समेत कई मिसाइलों का सफल परीक्षण किया गया था। बता दें, बंगाल की खाड़ी तट पर डीआरडीओ के दो प्रमुख केंद्र-चांदीपुर और अब्दुल कलाम द्वीप हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में आए

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी। वांगचुक ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा- मैंने सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके से बात की। उनसे बात करके मुझे लगा कि उनकी मंशा गलत नहीं है। वे एक देशप्रेमी हैं और बदलाव चाहते हैं। वांगचुक ने कहा- अभिजीत 6 जून को दिल्ली में लोगों को बुला रहे हैं। अगर 5 जून तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो मैं भी जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होऊंगा।अभिजीत दिपके 6 जून को अमेरिका से भारत लौटेंगे। उन्होंने 1 जून को सोशल मीडिया पर बताया था कि वे जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत ने बताया कि वे एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे और प्रदर्शन की इजाजत मांगेंगे। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की। 30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं।

बीजेपी को सत्ता से हटाकर ही मरूंगी, ममता की हुंकार

कोलकाता। कोलकाता तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी सेंट्रल कोलकाता में अपना दिन भर का धरना दिया। यह धरना उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले, चुनाव के बाद हिंसा और फेरीवालों को हटाने के विरोध में हो रहा है। धरना स्थल पर बनर्जी ने कहा कि हमें मंच बनाने और माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की परमिशन नहीं दी गई। पुलिस टीएमसी वर्कर्स को प्रदर्शनों में हिस्सा न लेने की धमकी दे रही है, लेकिन मैं विरोध करती रहूंगी। मैं इस मुश्किल समय में टीएमसी वर्कर्स को नहीं छोड़ूंगी।

होटल और रेस्टोरेंट में ठहरे थे विदेशी, कुछ ने इमारत से कूदकर बचाई जान

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, 21 लोगों की हुई मौत, 37 घायल

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

बुधवार की सुबह दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना हुईं। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर दमकल विभाग की गाडियां मौजूद हैं। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 घायल हैं।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली फायर सर्विस टीम को मालवीय नगर में लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके तुरंत बाद दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के बेसमेंट से ये आग लगनी शुरू हुई। रेस्टोरेंट के बेसमेंट से गंभीर हालत में लोगों को रेस्क्यू किया गया। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है और 37 लोग घायल हैं। घायलों को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आप नेता सोमनाथ भारती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र हौज रानी में एक बहुमंजिला इमारत में सुबह करीब 8.30 बजे भीषण आग लगी। उन्होंने हताहतों की आशंका जताते हुए कहा कि इसमें मुख्य रूप से दक्षिण अफ्रीकी नागरिक फंसे हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस समय भी कुछ लोग रेस्टोरेंट के अंदर फंसे हुए हैं जिन्हें बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। राजधानी दिल्ली में इस तरह का अग्निकांड कोई पहली बार देखने को नहीं मिला है। इससे पहले भी दिल्ली के कई अलग-अलग इलाकों में इसी तरह की भीषण आग लग चुकी है। दिल्ली अग्निकांड पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

बचाव कार्य और हताहतों की स्थिति

शुरुआती खबरों के अनुसार, दमकलकर्मियों ने इमारत के बेसमेंट से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। उस समय उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं मिल पाई थी।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और इस संबंध में जांच जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतकों में सोमालिया और अन्य अफ्रीकी देशों के नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं। सभी लोगों को पास के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल और मोदी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इस दुखद घटना के दौरान, लोगों को आग की लपटों से बचने और इमारत से सुरक्षित बाहर निकलने में मदद करने के लिए नीचे की ओर रजाइयां बिछाई गई थीं। यह प्रयास उन लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ जो आग से बचने के लिए इमारत से कूदने

ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट

ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच आरबीआई ने बेचा 12 अरब डॉलर का सोना

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत बनाए रखने और रुपये पर दबाव कम करने के लिए अपने सोने के भंडार का कुछ हिस्सा बेचा है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, 22 मई को समाप्त हुए दो सप्ताह के दौरान आरबीआई ने लगभग 12 अरब डॉलर (लगभग 1.14 लाख करोड़ रुपये) मूल्य का सोना बेचा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान केंद्रीय बैंक ने करीब 7.5 अरब डॉलर (713.23 अरब रुपये) की विदेशी मुद्रा संपत्तियां भी जोड़ीं। बता दें कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक देश है। ऐसे में पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण तेल की कीमतों में तेजी आने से भारत पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। तेल आयात पर अधिक खर्च होने से विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये दोनों पर असर पड़ सकता है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ भारत अर्थशास्त्री अभिषेक गुप्ता ने बताया, उपलब्ध आंकड़ों से संकेत मिलता है कि आरबीआई के स्वर्ण भंडार का मूल्य घटा है, जबकि सोने पर आयात शुल्क बढ़ने के कारण इसकी कीमत बढ़नी चाहिए थी। इसी आधार पर अनुमान लगाया गया है कि केंद्रीय बैंक ने सोने की बिक्री की हो सकती है।

रूस की विदेशी संपत्तियां फ्रीज होने के बाद से बढ़ी सतर्कता

मार्च 2025 के अंत तक आरबीआई के पास 880.52 मीट्रिक टन सोना था। इसमें से लगभग 77 प्रतिशत सोना भारत में ही रखा गया था, जबकि छह महीने पहले यह आंकड़ा 66 प्रतिशत था। आरबीआई ने अप्रैल में जारी अपनी विदेशी मुद्रा रिपोर्ट में बताया था कि विदेश में रखे गए उसके अधिकांश स्वर्ण भंडार बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के पास सुरक्षित हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के वर्षों में आरबीआई ने अपने स्वर्ण भंडार का बड़ा हिस्सा भारत वापस मंगाया है। इसके पीछे एक कारण यह भी माना जाता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस की विदेशी संपत्तियां फ्रीज किए जाने से कई देशों के केंद्रीय बैंक विदेशों में रखे भंडार को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं।

आरबीआई ने क्यों उठाया यह कदम?

यदि यह आकलन सही साबित होता है, तो इसका मतलब होगा कि आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार को अधिक मजबूत और आसानी से उपयोग योग्य बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया। ऐसा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ईरान संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी संबंधी व्यवधानों के कारण तेल आपूर्ति और वैश्विक व्यापार पर दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई भविष्य में भी अवसर मिलने पर विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। यदि डॉलर कमजोर होता है, विदेशी निवेश बढ़ता है या कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है, तो केंद्रीय बैंक और अधिक विदेशी मुद्रा संपत्तियां जोड़ सकता है।

सोना बेचने के दावे पर आरबीआई की प्रतिक्रिया का इतंजार

इस बीच, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा रुपये को मजबूत करने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें ब्याज दरों में बदलाव और विदेशी निवेशकों से अधिक डॉलर निवेश आकर्षित करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि आरबीआई ने अब तक सोना बेचने संबंधी किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसलिए फिलहाल यह ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के विश्लेषण पर आधारित अनुमान माना जा रहा है। फिर भी यह रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

सेंसेक्स 800 अंक टूटा निफ्टी 23250 से नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को बेंचमार्क सूचकांकों की शुरुआत निराशाजनक रही। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 840.87 अंक लुढ़ककर 73,808.97 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। यह 1.12 फीसदी की महत्वपूर्ण गिरावट को दर्शाता है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 221.00 अंक नीचे आया। निफ्टी 0.94 फीसदी की कमी के साथ 23,262.55 पर पहुंच गया। बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शेयरों में सर्वाधिक गिरावट देखी गई। कई बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में चार फीसदी तक की तेज कमी दर्ज हुई इस गिरावट ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। कारोबार के दौरान बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 95.50 पर आ गया।

---

60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

प्री-मानसून की मेहरबानी, मध्य प्रदेश के 36 जिलों में आंधी-बारिश

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

मध्य प्रदेश में इस बार नौतपा का अंत राहत और आफत दोनों साथ लेकर आया है। आमतौर पर नौतपा के दौरान पड़ने वाली भीषण गर्मी की जगह इस बार प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर देखने को मिला। प्री-मानसून गतिविधियां लगातार सक्रिय होने की वजह से तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना जताई है।

इसके साथ ही इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर समेत 36 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

नौतपा के अंतिम दिन बदला मौसम का मिजाज

नौतपा के आखिरी दिन प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश ने मौसम का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया। सुबह से ही झाबुआ, धार, बड़वानी, आलीराजपुर, भिंड और मुरैना में धूल भरी तेज हवाएं चलीं। शाम तक इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, पन्ना और खजुराहो क्षेत्र में 70 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से हवाएं दर्ज की गईं। लगातार हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। इधर भोपाल और ग्वालियर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जबकि इंदौर में पारा 38 डिग्री सेल्सियस तक रहा। वहीं पचमढ़ी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा।

अगले चार दिन ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, 3 से 7 जून तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम अस्थिर बना रहेगा। नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा में 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ वज्रपात और तेज बारिश की भी संभावना है। 4 और 5 जून को मुरैना, श्योपुर, छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों में ओलावृष्टि के साथ तेज आंधी का अनुमान है। भोपाल, सीहोर, सागर, रीवा, विदिशा और आसपास के क्षेत्रों में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 5 से 7 जून के बीच प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने और प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहने का पूर्वानुमान है।

मंडला में अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को उड़ाया, 3 की मौत

सच संवाददाता ॥ मंडला

नादिया तिराहे पर कल देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश भी देखने को मिला। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल शुरु कर दी है।मंडला जिले के नादिया तिराहा में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां पल भर में छीन लीं। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान उमेश सिंगोर (उम्र लगभग 42 वर्ष निवासी नांदिया), भुवन लाल सिंगोर (उम्र लगभग 36 वर्ष निवासी नांदिया) तथा मुन्ना भांवरे (उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी पेटेगांव) के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और शवों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पोस्टमार्टम के उपरांत शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80 प्रतिशत है। नवंबर तक इसके 90 प्रतिशत या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय हीटवेव और मौसम के खतरनाक रूप देखने को मिल सकते हैं। कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें। संगठन ने गंभीर सूखे की आशंका जताई है। उसने भारत समेत सभी प्रभावित देशों की सरकारों, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। समय पर मिली सटीक चेतावनी और पूर्व-तैयारी से ही लाखों जानें बच सकती हैं। इससे पहले साल 2023-24 का अल नीनो इतिहास के पांच सबसे शक्तिशाली दौर में शामिल था, जिसने 2024 में वैश्विक तापमान के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

संकल्प ॥ पन्ना के पटना तमोली गांव में गौरैया संरक्षण की मिसाल, पक्षियों के लिए सुरक्षित घर बनाएं

एक गौरैया की मौत ने बदल दी सोच, बनाया सुरक्षित आशियाना

सच संवाददाता ॥ पन्ना

कभी हर आंगन की पहचान रही गौरैया आज बदलते परिवेश और घटते प्राकृतिक आवासों के कारण अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसे समय में दक्षिण पन्ना वन मंडल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटना तमोली में ग्राम वन समिति अध्यक्ष अजय चौरसिया द्वारा सालों से की जा रही एक संवेदनशील पहल गौरैया संरक्षण के लिए मिसाल बन गई है।अजय चौरसिया बताते हैं, कुछ साल पहले उन्होंने अपने घर के एक कोने में एक गौरैया को तिनका-तिनका जोड़कर घोंसला बनाते देखा था। वह अपने भावी परिवार के लिए सुरक्षित आशियाना तैयार कर रही थी लेकिन एक दिन दोपहर में वह अचानक पंखे से टकरा गई और उनकी आंखों के सामने तड़प-तड़प कर उसकी मौत हो गई। इस घटना ने उन्हें भीतर तक व्यथित कर दिया और तभी उन्होंने पक्षियों के लिए सुरक्षित घर बनाने का संकल्प लिया।

गौरैया के लिए बनवाए 15 से 20 घर

अजय चौरसिया बताते हैं, सबसे पहले टाट और गत्तों से घोंसले तैयार किए। बाद में प्लाईवुड से पक्षी घर बनवाए और फिर सूखी गोलाकार लौकी, जिसे स्थानीय भाषा में तुम्बी या तुमड़िया कहा जाता है, से 15 से 20 प्राकृतिक पक्षी घर स्थापित किए। कुछ ही समय में कई गौरैया ने इन पक्षी घरों को अपना आशियाना बना लिया। तिनकों और पंखों से सजाकर इन घरों में उन्होंने अंडे दिए और देखते ही देखते हर पक्षी घर में 2 से 3 नन्हे मेहमानों का आगाज होने लगा।उन्होंने बताया कि वर्षों से चल रही इस मुहिम के परिणामस्वरूप अब तक सैकड़ों नन्हे मेहमानों का जन्म इन पक्षी घरों में हो चुका है। गर्मी के मौसम में पानी और दाने की नियमित व्यवस्था किए जाने से गौरैया के साथ-साथ अनेक अन्य पक्षियों को भी राहत मिल रही है और उनकी प्यास बुझ रही है।

सुरक्षित आवासों का संरक्षण जरुरी

वन मंडलाधिकारी अनुपम शर्मा ने कहा,गौरैया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे आसपास के स्वस्थ पर्यावरण और जैवविविधता का महत्वपूर्ण संकेत है। गौरैया जैसे छोटे पक्षी कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में योगदान देते हैं। तेजी से बदलते परिवेश में इनके सुरक्षित आवासों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पटना तमोली में ग्राम वन समिति द्वारा किया जा रहा यह प्रयास जनभागीदारी आधारित संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो समाज में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना को मजबूत करता है।इस पहल से प्रेरित होकर गांव के अनेक ग्रामीणों ने भी अपने घरों में पक्षी घर लगाए हैं। गर्मियों में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखना शुरू किया है। परिणामस्वरूप क्षेत्र में पक्षी मित्रों की संख्या बढ़ रही है और प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों में संवेदनशीलता विकसित हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा

पेयजल आपूर्ति में कोई कमी न रहे : मोहन

- सूखे पेयजल स्रोतों की करायें जांच, नल जल योजनाएं बिना किसी बाधा के हो संचालित
- केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय से राज्य शासन को मिलेंगे 5 हजार करोड़ रुपये
- जल स्रोतों के लिए ट्यूबवेल पर ही न रहें आश्रित, तालाब से जल संग्रहण और रिचार्जिंग दोनों में आसानी
- मार्च 2028 से पहले जल जीवन मिशन होगा कम्पलीट
- मध्यप्रदेश बना बोरवेल अधिनियम बनाने वाला देश का पहला राज्य

सच संवाददाता || भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों को समुचित पेयजल आपूर्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को पर्याप्त और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। गर्मी के मौसम और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था की सतत् निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि जहां जैसी आवश्यकता हो, वहां वैसी त्वरित व्यवस्थाएं की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जल अभाव की स्थिति बन रही है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू कर पानी उपलब्ध कराया जाए। बैठक में पीएचई की मैदानी योजनाओं एवं पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पत्तिया उइके ने बताया कि विभाग तेजी से अपनी लक्ष्य पूर्ति की ओर बढ़ रहा है। मार्च 2028 से पहले प्रदेश में हर घर नल से जल के उद्देश्य से जल जीवन मिशन का काम पूरा कर लिया जायेगा। मिशन का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। उज्जैन राजस्व संभाग सहित प्रदेश के 11 जिलों में जल जीवन मिशन का शत् प्रतिशत कार्य हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शत-प्रतिशत कार्य करने वाले ऐसे गांवों/ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन/सम्मानित किया जाये, जिन्होंने बेहतर तरीके से नल जल योजनाओं का संचालन/संधारण किया। मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि बोरवेल में गिरने से होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं/मृत्यु को रोकने के लिए प्रदेश में बोरवेल अधिनियम बनाया गया है। ऐसा अधिनियम बनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। उन्होंने विभागीय संरचना और गतिविधियों को अधिक बेहतर बनाने के लिए विभाग के सिविल विंग, मैकेनिकल विंग और जल निगम को एकीकृत करने का सुझाव दिया। मंत्री श्रीमती उइके बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 में डिंडोरी और मंडला जिले में 8 हजार से अधिक एकल ग्राम नल जल योजनाओं पर काम पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस काम को %कर्म स्थान से जन्म स्थान की ओर% अवधारणा से जोड़ा जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में जल आपूर्ति व्यवस्था एवं अधोसंरचनात्मक विकास के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय से तत्काल समन्वय करें। केन्द्र सरकार से मध्यप्रदेश को जल जीवन मिशन अन्तर्गत लगभग 5 हजार करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त होना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने मध्यप्रदेश को यह आवंटन जारी करने की सहमति दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से राज्य में ऐसा मैकेनिज्म तैयार करने को कहा जिससे कि सभी नलजल योजनाएं बिना किसी बाधा के संचालित होती रहे। उन्होंने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल बचाने वाले और इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वालों का राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मान कार्यक्रम आयोजित करें। बताया गया कि विभाग द्वारा जल महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें प्रदेश में एकल एवं समूह नल जल योजना के संचालन एवं प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल महोत्सव कार्यक्रम को जल गंगा संवर्धन अभियान के साथ जोड़ने और जल बचाने के लिए अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभाग द्वारा ग्रामीण, शहरी एवं स्कूलों में स्थापित जल स्त्रोतों की वाटर टेस्टिंग की जा रही है। साथ ही हैंडपंपों की जांच एवं नल जल योजना के ऑपरेटर्स को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल स्त्रोतों के लिए पीएचई केवल ट्यूबवेल जैसे माध्यम पर ही आश्रित न रहे। जल स्त्रोत के रूप में तालाब सरोवर निर्माण से कई लाभ होंगे। इससे जल संरक्षण के साथ जल स्तर में वृद्धि होगी। क्षेत्र में वॉटर रिचार्जिंग बढ़ेगी। जल संग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ ही नल-जल योजना के संचालन के लिए स्थायी जल संरचना भी उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कार्य में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिसर (मैपकास्ट) की विशेषज्ञ सेवाओं का भी लाभ लें।

प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मनीष सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर पेयजल आपूर्ति की गहन मॉनीटरिंग की जा रही है। प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के साथ ही नगरीय क्षेत्रों में भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार किया गया है। पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्या की सूचना मिलते ही उसे तत्काल दूर किया जा रहा है। पेयजल से निर्माण कार्य करने वालों पर सख्ती की जा रही है। उन्होंने बताया कि म.प्र. जल निगम के समूह ग्राम पेयजल प्रदाय योजनाओं के संचालन एवं संधारण खर्चे को कम करने के लिए प्रदेश में सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित की जा रही हैं। पीएचई सोलर एण्ड विंड एनर्जी का बल्क यूजर है। प्रमुख सचिव श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश में दिसम्बर 2023 से अब तक 16.50 लाख से अधिक क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन दिये गये, साथ ही 15 हजार 238 नवीन नलकूप/हैंडपंप भी स्थापित किये गये। प्रदेश के 14 हजार 200 गांवों में जल प्रदाय व्यवस्था का शत् प्रतिशत काम पूरा कर इन्हें हर घर जल घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 1 करोड़ 11 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश के करीब 75 प्रतिशत परिवारों को नल से जल के तहत कवर कर लिया गया है। म.प्र. जल निगम के प्रबंध संचालक श्री वी.एस. कोलसानी ने बताया कि उज्जैन राजस्व संभाग की एकल ग्राम नल जल योजनाओं के काम पूरे कर लिये गये है। यहां 7 लाख 9 हजार 65 परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन दे दिए गये है। प्रदेश की 155 प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से प्रमाणित करा लिया गया है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं की उपयोगिता के आंकलन और हितग्राहियों से शिकायतें/सुझाव प्राप्त कर उनका निराकरण करने के लिए ऑनलाइन जल दर्पण पोर्टल भी तैयार किया गया है। उन्होंने बताया गया कि विभाग में प्रचलित प्रमुख विकास योजनाओं के लिए वर्ष 2026-27 के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। जल जीवन मिशन 2.0 की तैयारी की जा रही है। विभाग में रिक्त पदों की भर्ती भी तेजी से की जा रही है। विभागीय कार्यों में गुणवत्ता एवं सेवाओं में सुधार के लिए डिजिटल माध्यम से जल प्रदाय की मॉनिटरिंग, एकल नल जल योजनाओं आई.ओ.टी. सेंसर्स लगाने तथा राज्य एवं जिला स्तर पर एक कमांड एण्ड कंट्रोल सेन्टर की स्थापना का प्रस्ताव दिया है। अक्टूबर 2026 में जल उत्सव आयोजित किया जायेगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव (वित्त) मनीष रस्तोगी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में लगातार सूख रहीं सहायक नदियां

महाकुंभ से पहले 22 नदियां पैदा कर सकती हैं संकट

सच संवाददाता || उज्जैन

मध्य प्रदेश में सहायक नदियों पर बड़ा संकट मंडरा रहा है, ये संकट और भी बड़ा हो सकता है क्योंकि इन नदियों पर कई प्रमुख नदियां निर्भर होती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहण मालवा की जीवनदायनी क्षिप्रा और उसकी सहायक नदियां हैं। पहले जहां क्षिपा कई सहायक नदियों पर निर्भर रहती थी, वहीं, समय के साथ-साथ सहायक नदियों के विलुप्त होने और केवल बारिश पर निर्भर होने से क्षिप्रा सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने क्षिप्रा में नर्मदा नदी को लिंक करके पुनर्जीवित किया। लेकिन छोटी नदियों पर अब भी संकट बरकरार है। मालवा क्षेत्रा में चंद्रभागा, स्वात:, गंडकी, कालियादह, लखेरी, पिपलिया सहित 22 सहायक नदियां कभी पूरे क्षेत्र की जल व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती थीं। समय के साथ इनमें से अधिकांश नदियां अतिक्रमण, जलस्त्रोतों के क्षरण और अनियमित वर्षा के कारण या तो विलुप्त हो गईं या फिर मौसमी नालों में तब्दील होकर रह गईं। जो नदियां आज अस्तित्व में हैं, वे भी भीषण गर्मी के चलते लगभग पूरी तरह सूख चुकी हैं। इस स्थिती ने न केवल किसानों की चिंता बड़ाई बल्कि ग्रामीण और कुछ शहरी क्षेत्रों के पेयजल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा भी बड़ा दिया है।

मोहनपुर गांव के किसान दशरथ पटेल ने बताया, हमारे गांव के पास क्षिप्रा नदी की सहायक चंद्रभागा नदी है। इसका गहरीकरण जनसहयोग से लगभग चार साल पहले हुआ, जिसकी वजह से कम से कम हम 300 से 350 किसानों को खेती, सिंचाई के लिए फायदा होता है। फरवरी महीने के आखरी तक हमें इस नदी से पानी मिलता है।

22 सहायक नदियों का संरक्षण बेहद जरूरी

नदियों के संरक्षण के लिए कार्य करने वाले समाजसेवी प्रीतम सिंह मेवाड़ा ने बताया, क्षिप्रा की 22 सहायक नदियां है और 22 सहायक नदियों में से कई पर हमने काम किया, जैसे चंद्रभागा, नरवर गंगा, चंदेसरी क्षेत्र में काम हुआ है। एक सहायक नदी से 250 से 300 किसान को लाभ मिलता है। हजारों ग्रामीणों की प्यास बुझती है। किसान आगे आ जाएं और सब लोग अगर मिलकर प्रयास करें तो 22 ही सहायक नदियां जीवित हो सकती हैं। सरकार को भी इस और ध्यान देना चाहिए। ये 22 सहायक नदियां हमारे पास लिस्टेड हैं, जो शहर के देवास रोड के ग्रामीण इलाके से, कुछ आगर रोड, कुछ अंबोदिया, कुछ कानीपुरा मार्ग पर से होकर गुजरती हैं, जिसमें कई गांव शमिल हैं।

10 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च

डॉ. विवेक चौरसिया ने यह भी कहा, अब किसान भाई क्या करें, क्योंकि वह क्षिप्रा की सहायक नदियों पर निर्भर रहते हैं, तो उनके लिए यह चुनौती तो बनेगी ही। किसानों को, पूरे समाज को और सरकार को भी इस पर कहीं ना कहीं विचार करना चाहिए। मध्य प्रदेश ने क्षिप्रा में पानी की निरंतरता बनाए रखने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं। लेकिन आज भी क्षिप्रा पर खतरा बरकरार है,ऐसे में जरूरत है उन सहायक नदियों के संरक्षण की भी, जो क्षिप्रा में जाकर मिलती हैं।

सहायक नदियों की चिंता करनी होगी

नदियों को लेकर काम कर रहे पुष्पेंद्र शर्मा ने कहा,नदियां हमारी संस्कृति है, नदी हमारी माता है, नदी केवल नदी नहीं है। नदी एक ऐसी धारा है जो हमें पोषित करती है, पल्लवित करती है। आज से 50 या 100 साल पहले के इतिहास में जब हम देखते हैं, तो हमारे पूर्वज जो किसान जो थे वे इस मौसम में अपने आसपास की सहयोगी नदियों से गारा लाते थे और अपने खेतों में डालते थे। उससे दो बातें होती थी, एक तो उन नदियों का गहरीकरण होता था और दूसरा खेतों में गारे से फसलों का उत्पादन बढ़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होता, जिस वजह से बरसाती नदियां सूखने की कगार पर हैं। क्षिप्र का मतलब ही होता है तेजी से बह जाना। यानी क्षिप्र के समान जो बह जाती है, वही क्षिप्रा है और ऐसी क्षिप्रा नदी को अगर पुनः प्रवाहमान और पुनः हमेशा के लिए जलवान बनाना है तो हमें इसकी सहायक नदियों की चिंता पालना पड़ेगी।

महाकुंभ से पहले सरकार को देना होगा ध्यान

पुष्पेंद्र शर्मा ने कहा, अगर हमें इस आने वाले 2028 के सिंहस्थ महाकुंभ में साधु, महात्माओं, संतों को क्षिप्रा जी के जल में स्नान कराना है तो मैं हमारे अति संवेदनशील मुख्यमंत्री बड़े भाई मोहन यादव जी से भी निवेदन करूंगा कि वह इन विलुप्त प्रायः विलुप्त नदियों की ओर ध्यान दें। और मैं समझता हूं कि एक या दो साल में तो बहुत अच्छा काम हो सकता है।

नदियों के तीन प्रकार, क्षिप्रा इस वजह से सूखी

साहित्यकार व नदियों के जानकार डॉ. विवेक चौरसिया बताते हैं, नदियां तीन तरह की होती हैं। एक वह जो ग्लेशियर से निकलती हैं, जैसे गंगा, यमुना नदी जिनमें पूरे 12 महीनों पानी रहता है। खासकर गर्मी के दिनों में क्योंकि ग्लेशियर पिघलते हैं, तो उनमें लगातार पानी आता है। दूसरी पहाड़ी नदिया होती हैं, जो पहाड़ों से झरने बनकर निकलती हैं और उनके उद्गम स्थल इतने प्रबल होते हैं कि प्राकृतिक रूप से उनका बहाव निरंतर बना रहता है। मैं समझता हूं कि हम नर्मदा जी को पहाड़ी नदियों की इस श्रेणी में देख सकते हैं क्योंकि इस नदी का प्राकृतिक स्त्रोत बड़ा प्रबल है, बड़ा प्रभावी है।लेकिन क्षिप्रा बरसाती नदियों में से है। क्षिप्रा में किसी जमाने में उसके उद्गम से जल स्रोत का निरंतर बहाव बड़ा प्रभावी रहा होगा, लेकिन इसमें पानी गर्मी के दिनों में कम हो जाता है। बारिश का पानी कुछ समय रहता है और इसकी कुछ सहायक नदियां जिनमें से अधिकांश का वर्णन पुराणों में या इतिहास में मिलता है, उनमें से ज्यादातर अब बरसाती नदियां ही हैं। इस वजह से क्षिप्रा सूखने लगी थी लेकिन नर्मदा उसे अविरल बहने में मदद मिली है।डॉ। विवेक चौरसिया ने बताया, %% क्षिप्रा के मार्ग में उसके उद्गम से लेकर उसके बहाव क्षेत्र के बीच जितने अतिक्रमण हुए हैं, जितना प्रदूषण हुआ है, जितना जगह उसकी दुर्गति हुई है, उसका परिणाम यह है कि गर्मी के दिनों में ये नदी भीषण दुर्गति के स्तर पर पहुंच जाती है। मुझे याद है, आज से कोई 10 से 15 साल पहले तक क्षिप्रा नदी का पानी भी हमारे यहां प्रतिदिन पेयजल सप्लाई में इस्तेमाल होता था। लेकिन अब वह नहीं लिया जाता है। शायद इसलिए कि गंभीर डैम में पानी की उपलब्धता है या इसलिए भी कि क्षिप्रा का पानी इतना प्रदूषित है कि उसका ट्रीटमेंट करके जनता के लिए सप्लाई करना उचित नहीं।

महाकाल मंदिर में अब नहीं लगेंगी लंबी कतारें

उज्जैन। उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगने वाली लंबी कतारें से अब राहत मिलेगी। प्रशासन ने श्रावण माह से पहले बड़ा गणेश टनल शुरू करने का फैसला लिया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने खुद टनल का जायजा लेकर अधिकारियों को दो टूक में कहा कि 30 जुलाई से श्रावण शुरू होना है, 20 जुलाई तक हर हाल में टनल चालू करिए। लाखों श्रद्धालु आएंगे, एक भी भक्त को तकलीफ नहीं होनी चाहिए। बड़ा गणेश मंदिर के पास से सीधे महाकाल मंदिर के वेटिंग हॉल तक बन रही ये सुरंग श्रद्धालुओं के लिए महाकाल मंदिर तक के लिए शॉर्टकट साबित होगी। अभी हरसिद्धि की ओर से आने वाले भक्तों को घूमकर मुख्य द्वार तक जाना पड़ता है। टनल बनने के बाद श्रद्धालु सीधे वेटिंग हॉल में पहुंच जाएंगे। इससे मुख्य मार्ग पर भीड़ का दबाव 40 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। बड़ा गणेश से वेटिंग हॉल तक बिना भीड़ के पहुंचेंगे भक्त। 15-20 मिनट का चक्कर बचेगा, बुजुर्गों-दिव्यांगों को बड़ी राहत। बारिश-धूप से बचाव, अलग मार्ग से आवाजाही।

सिंगरौली का कुदरती कानून, गड्ढों के पानी से प्यास बुझा रहे जानवर और आदिवासी

सच संवाददाता || सिंगरौली

कहने को तो मध्य प्रदेश का सिंगरौली जिला पूरे देश में ऊर्जाधाणी के नाम से विख्यात है। जिसे लेकर विकास के कई बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन दूसरी और ऊर्जाधानी सिंगरौली के एक गांव की तस्वीर आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। सिंगरौली के एक गांव में सैकड़ों से ज्यादा ऐसे परिवार हैं जो पीने के लिए गड्ढों के पानी का इस्तेमाल करते हैं और इस भीषण गर्मी में गड्ढे ही इनका सहारा हैं।

सबसे बड़ी विडंबना इस गांव के लोगों के लिए यह है कि जिस गड्ढे का पानी एक ओर गांव वाले पीते हैं और वहीं दूसरी ओर इसी गड्ढे का पानी जानवर भी पी रहे हैं। आलम यह है कि इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए लोगों को दूरी तय करनी पड़ती है और पैदल ही जाकर अपने और परिवार के लिए पानी लाना पड़ता है।दरअसल, पूरा मामला सिंगरौली जिले के खैराही गांव का है। जहां के एक आदिवासी मोहल्ले में इस भीषण गर्मी में पानी की ऐसी किल्लत है कि लोग अपनी प्यास बुझाने के लिए घरों से भीषण गर्मी में पैदल निकल कर गड्ढों में रिसाव से आए पानी के लिए निकल जाते हैं और गड्ढों का पानी ही इस बस भीषण गर्मी में उनके लिए जीने का एकमात्र सहारा है।

खैराही गांव के स्थानीय निवासी ललन सिंह बताते है कि,जब से हम जानने लायक हुए हैं तब से लेकर आज तक इसी नदी का पानी पीते है। यहां कोई दूसरा साधन नही है। नदी के किनारे बसे ऐसे 100 से ज्यादा परिवार हैं जो इसी नदी के पानी से अपनी प्यास बुझाते है। इसमें भी सबसे दर्दनाक तस्वीर तब सामने आती है जब नदी के इन्ही गड्ढों के पानी के लिए एक और इंसान तो दूसरी ओर जानवर इस पानी को पीने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इस गर्मी में पीने के पानी के लिए गांव के बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के सामने सबसे ज्यादा परेशानी खड़ी हो जाती है।गांव के सरपंच मुश्ताक़ अहमद कहते हैं कि,इस भीषण समस्या से कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया। लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। खैराही गांव के नदी के किनारे बसे इस आदिवासी बस्ती में पानी की समस्या बहुत है। कई बार विधायक से पानी की समस्या दूर करने के लिए बजट की मांग की गई है, लेकिन अभी तक बजट नही मिल पाया, सर्वे भी हो चुका है लेकिन समस्या आज भी जस की तस है। देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम कहते हैं कि,इस तरह के पानी की समस्या क्षेत्र में लगभग ना के बराबर है और इस भीषण गर्मी में अगर कहीं इस तरह का कुछ है भी तो इस पर तत्काल लोगों को राहत दी जाएगी और जिस तरह से हो सकेगा उनके लिए पीने के पानी की पूरी व्यवस्था की जाएगी। हालांकि नल जल योजना के तहत काम तेजी से चल रहे हैं और लगभग पूरे जिले में पानी की कमी नहीं है। अगर कोई इससे वंचित है या कहीं समस्या है तो इसके लिए स्थानीय विधायक और सेवक होने के नाते मैं खुद आगे आकर यह व्यवस्था करूंगा।

पेंच टाइगर रिजर्व में खतरनाक बीमारी से बाघों का बचाव, 1500 कुत्तों को लगाई जा रही वैक्सीन

सच संवाददाता || छिंदवाड़ा

पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन से लगे गांव के पालतू और आवारा कुत्तों को पकड़कर वन और पशु विभाग के कर्मचारी इन दिनों इंजेक्शन लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल कुछ दिनों पहले कान्हा टाइगर रिजर्व और दूसरे नेशनल पार्क में कैनाइन डिस्टेंपर बीमारी के इंफेक्शन देखे गए थे। जिसके बाद सुरक्षा के लिहाज ये कदम उठाए गए हैं। पेंच टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर देव प्रसाद जे ने बताया कि,वन्यजीव स्वास्थ्य की देखभाल के लिए पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिलों के बफर क्षेत्र के गांवों में कैनाइन डिस्टेंपर की रोकथाम के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत पेंच टाइगर रिजर्व के फील्ड स्टाफ द्वारा बफर क्षेत्र के लगभग 1500 पालतू एवं आवारा कुत्तों की पहचान कर उनका टीकाकरण एवं निगरानी की कार्यवाही शुरू की गई है। टीकाकरण अभियान की शुरुआत 31 मई 2026 को सिवनी जिले के टुरिया एवं सावंगी ग्राम तथा छिंदवाड़ा जिले के कुंभपानी गांव से की गई है।%%

हाल ही में कुछ टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर इंफेक्शन फैला था। जिसके बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (ह्रञ्जष्ट) द्वारा सभी टाइगर रिजर्व को बीमारी की रोकथाम एवं कंट्रोल के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं अलर्ट जारी किए गए हैं। इसी के चलते पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा यह टीकाकरण अभियान एक एहतियाती एवं सुरक्षा कदम के रूप में शुरू किया गया है, जिससे रिजर्व क्षेत्र एवं आसपास के वन्यजीवों को इंफेक्शन से सुरक्षित रखा जा सकेगा।

पेंच टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने लोंगो से अपील की है कि यदि किसी कुत्ते में कैनाइन डिस्टेंपर रोग के लक्षण जैसे आंख, नाक अथवा मुंह से पानी का बहाव होना, असामान्य व्यवहार करना, दौरे आना, लगातार गोल-गोल घूमना या अन्य असामान्य गतिविधियां दिखाई दें, तो इसकी सूचना तत्काल वन विभाग के फील्ड स्टाफ अथवा निकटतम वन अधिकारी को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पशु चिकित्सक डॉक्टर अंकित मेश्राम ने बताया कि, यह बीमारी कुत्तों, सियार और लोमड़ियों में होने की वजह से फैलती है। जब जंगल या टाइगर रिजर्व में बाघ इन जानवरों का शिकार करके खाते हैं तो यह बीमारी बाघों में भी पहुंच जाती है। जिसकी वजह से बाघों की मौत होने की आशंका होती है। भारत में कान्हा नेशनल पार्क और राजस्थान के सरिस्का जैसे टाइगर रिजर्व में इस बीमारी से बाघों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं। इसके बाद ही राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण यानी एनटीसीए ने सुरक्षा के लिहाज से कदम उठाए हैं।

पशु चिकित्सक डॉक्टर अंकित मेश्राम ने बताया कि, यह बीमारी ज्यादातर कुत्तों से फैलती है। यह इन्फेक्शन वाली बीमारी बहुत जल्दी जानवरों में सर्कुलेट होती है जो जानवरों के लिए जानलेवा साबित होती है। जब कोई संक्रमित कुत्ता या जंगली जानवर खांसता, छींकता या भौंकता है, तो वायरस हवा में बूंदों के रूप में फैल जाते हैं। स्वस्थ कुत्ते सांस के जरिए इस वायरस को अंदर खींच लेते हैं।इसके साथ ही संक्रमित कुत्ते के मूत्र, मल, लार, आंखों या नाक से निकलने वाली लार के संपर्क में आने से स्वस्थ कुत्ते भी संक्रमित हो सकते हैं। ये वायरस भोजन के बर्तन, पानी के कटोरे, खिलौनों और बिस्तर पर जीवित रह सकता है। यदि कोई गर्भवती फीमेल डॉगी इस वायरस से संक्रमित है, तो प्लेसेंटा के माध्यम से यह बीमारी उसके अजन्मे पिल्लों तक भी फैल सकती है।

साहब, शिकायत झूठी नहीं है... 200 के स्टांप के साथ जनसुनवाई में पहुंचे फरियादी

सीधी । सीधी की जनसुनवाई में कई फरियादी 200 के स्टांप पेपर और नोटरीकृत शिकायतें लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि कलेक्टर के कथित बयान के बाद उन्होंने ऐसा किया। आवेदकों ने पटवारी पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक अनोखा मामला सामने आया। कई आवेदक अपनी शिकायतों के साथ 200 के स्टांप पेपर और नोटरीकृत दस्तावेज लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि पूर्व में कलेक्टर द्वारा कथित रूप से दिए गए एक बयान के आधार पर उन्हें लगा कि इस तरह प्रस्तुत की गई शिकायतों को अधिक गंभीरता से लिया जाएगा। जनसुनवाई में पहुंचे अयोध्या प्रसाद मिश्रा, प्रत्यूष मिश्रा और हितेश मिश्रा ने प्रशासन को अपनी शिकायतें स्टांप पेपर के साथ सौंपीं और कार्रवाई की मांग की। अयोध्या प्रसाद मिश्रा ने बताया कि वे ग्राम बभनी के निवासी हैं और क्षेत्र में पदस्थ पटवारी प्रवीण पांडे के खिलाफ लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पटवारी द्वारा गलत प्रतिवेदन तैयार किए जाने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मिश्रा का कहना है कि उन्होंने पूर्व में जन चौपाल के माध्यम से भी अपनी शिकायत कलेक्टर विकास मिश्रा तक पहुंचाई थी। उनके अनुसार, उस दौरान कलेक्टर ने कहा था कि अधिकांश शिकायतें झूठी साबित होती हैं और यदि कोई व्यक्ति 200 के स्टांप पेपर पर शिकायत प्रस्तुत करेगा तो उसे अधिक विश्वसनीय माना जाएगा। इसी कथित टिप्पणी के आधार पर उन्होंने अपनी शिकायत स्टांप पेपर पर तैयार कराई और नोटरी कराने पर अतिरिक्त खर्च भी किया।जनसुनवाई में यह मामला चर्चा का विषय बना रहा। उपस्थित लोगों का कहना था कि यदि शिकायतों की विश्वसनीयता साबित करने के लिए लोगों को स्टांप पेपर और नोटरी का सहारा लेना पड़ रहा है, तो यह प्रशासन और आम जनता के बीच भरोसे की स्थिति पर भी सवाल खड़े करता है।

महिला साइकिल रैली से दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सच संवाददाता ॥ भोपाल

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आज भोपाल के कोलार स्थित करियासोत डैम से महिला साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली का शुभारंभ करियासोत डैम से किया गया, जहां प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर लोगों को नियमित व्यायाम अपनाने और प्रदूषण कम करने के लिए साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस दौरान महिलाओं ने स्वस्थ जीवनशैली, महिला सशक्तिकरण और हरित पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प भी लिया। आयोजकों ने बताया कि साइकिल न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रैली का उद्देश्य महिलाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करना और समाज में साइकिलिंग संस्कृति को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि ऐसी गतिविधियां महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाती हैं। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी विशेष इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए नियमित रूप से साइकिल चलाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

विश्व साइकिल दिवस आज

बिजली आउटसोर्स कर्मियों की विद्युत दुर्घटना में मौत पर मांगा मुआवजा

सच संवाददाता ॥ भोपाल

म.प्र. में विशेषकर भोपाल संभाग में बिजली आउटसोर्स कर्मियों की विद्युत दुर्घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले एक हफ्ते में दो विद्युत दुर्घटनाएँ गत 25 मई को भोपाल में एवं 30 मई को गंजबासौदा में घटित हुईं। म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने इन विद्युत दुर्घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिजली ठेकेदार व बिजली इंजीनियर मिलीभगत कर आये दिन युवा बिजली आउटसोर्स कर्मियों को बिना सुरक्षा उपकरण दिए और ठोस तकनीकी प्रशिक्षण दिए बिना उन्हें बिजली पोल पर चढ़ाकर उन्हें हताहत कर दिव्यांग बनाने का अभियान चला रहे हैं, जो सरासर अनुचित व अन्यायपूर्ण है। श्री भार्गव ने बताया कि भोपाल, कोलार सिटी डिवीजन अन्तर्गत मिसरोद जोन के रापड़िया गाँव, कटारा हिल्स में गत 25 मई को सुबह 10 बजे के करीब एफओसी कम्पलेन्ट अटैण्ड कर अपनी ड्यूटी निभा रहे बिजली आउटसोर्स लाईन हैल्पर देवेन्द्र वर्मा ि का दाहिना हाथ एवं बायां कंधा 11 केवीए लाईन के सम्पर्क में आने से उनकी दायें हाथ की उंगली एवं बायां हाथ सामान्य रूप से काम नहीं कर पा रहे हैं। इसी तरह गंजबासौदा में गत 30 मई को बिजली आउटसोर्स लाईन हैल्पर कर्मी रामबाबू कुशवाहा बिजली पोल पर बिना सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे थे, तब वह बिजली करंट लग जाने से जमीन पर आ गिरे, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोट आई।

मांगों की अनदेखी से आक्रोश

धरने की तैयारी में जुटा लघु वेतन कर्मचारी संघ

सच संवाददाता ॥ भोपाल

अपनी मांगों और समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार को कई बार ज्ञापन और आवेदन देने के बाद भी कार्यवाही नहीं होने से आक्रोशित मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। इस संबंध में संगठन की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक राजधानी स्थित कर्मचारी भवन गीतांजलि चौराहा में आयोजित हुई जिसमें केंद्रीय प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे । बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में कार्यरत स्थाई कर्मी आकस्मिक कार्य भारी सेवा के कर्मचारी दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन कर्मचारी एवं आउटसोर्स के कर्मचारी के मांगों को लेकर प्रदेश सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है इसलिए 26 जून को राजधानी स्थित

अंबेडकर मैदान में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

संगठन के प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा के मुताबिक प्रदेश में स्थाई कर्मी कर्मचारी के दिवंगत होने पर परिवार को अनुकंपा नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं है, इसी प्रकार सातवां वेतनमान एवं वर्गीकृत योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है । प्रदेश के हजारों अंशकालीन कर्मचारियों को 2018 से मानदेय नहीं मिला है आज भी केवल 5000 प्रतिमाह का ही भुगतान किया जा रहा है। इसी प्रकार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पद नाम परिवर्तन कर कार्यालय सहायक के बारे में कई बार सरकार को ज्ञापन दिया गया लेकिन आज तक पद परिवर्तन नहीं किया गया जबकि शासन में कोई भी आर्थिक भार नहीं आ रहा है । आउटसोर्स पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए सेवा की सुरक्षा नहीं है, , कोटवार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा उषा कार्यकर्ता एवं रसोईया कर्मचारी को बहुत कम वेतन दिया जा रहा है कम से कम आज की महंगाई के दौर में 30 हजार रु. मासिक मानदेय दिया जाना चाहिए। इन्हीं सब मांगों को लेकर आगले माह राजधानी में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

श्री शर्मा के मुताबिक लघु वेतन कर्मचारी संघ संवाद से समस्या के समाधान में विश्वास रखता है इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन निराकरण नहीं होने से आंदोलन की स्थिति निर्मित हो रही है और इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। केंद्रीय समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष मांगीलाल तमोली निरीक्षण समिति के अध्यक्ष संतोष चंद्रयान कोषाध्यक्ष कमलेश पटेल जिला अध्यक्ष राम कुंडल सेन महामंत्री गौरीशंकर मालवीय राजेंद्र बहादुर सिंह प्रांतीय सचिव दिनकर राव जिले के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद उपाध्याय के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रेरा के लंबित प्रकरणों का हुआ त्वरित निराकरण

भोपाल। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिले में राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र के लंबित प्रकरणों के प्रभावी निराकरण हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत तहसीलदारों द्वारा मई माह 2026 में रेरा तथा अन्य विभिन्न प्रकरणों में कुल 1 करोड़ 34 लाख की विधि-सम्मत वसूली सुनिश्चित की गई है। इस त्वरित एवं न्यायोचित कार्यवाही से संबंधित आवेदकों तथा हितग्राहियों को लंबित देय राशि प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे उन्हें दीर्घ प्रतीक्षित राहत मिली है।

जिला प्रशासन द्वारा इन आरआरसी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा वसूली की यह प्रभावी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। जनहित के संरक्षण हेतु विधिक दायित्वों की अवहेलना करने वाले देनदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनजातीय छात्राओं को अधिकारों के प्रति किया जा रहा जागरूक

सच संवाददाता ॥ भोपाल

जनजातीय छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से बड़वानी पुलिस द्वारा रक्षा सखी अभियान चला रही है। अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों एवं साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी प्रदान की जा रही है। पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को अनुसूचित जनजाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना तथा महिला संबंधी अपराधों के बारे में विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं

बालिकाओं के संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जनजातीय छात्राओं को बताया जा रहा कि साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया जा रहा है।

छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्मविश्वास एवं किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने के उपायों की जानकारी देते हुए उन में आत्म विश्वास पैदा किया जा रहा है। इस दौरान महिला हेल्पलाइन 1090, साइबर हेल्पलाइन 1930, डायल-112 तथा अन्य पुलिस सहायता सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रभावी उपयोग किया जा सके।

वैध अनुमतियों से संबंधित दस्तावेज मांगे

कोलार की 15 कॉलोनियों पर नगर निगम की नजर

सच संवाददाता ॥ भोपाल

नगर निगम भोपाल ने कोलार क्षेत्र में विकसित हो रही 15 निर्माणाधीन निजी कॉलोनियों को नोटिस जारी कर वैध अनुमतियों से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने संबंधित कॉलोनाइजरों से 15 दिनों के भीतर स्वीकृत नक्शा, डायवर्जन आदेश तथा अन्य आवश्यक वैधानिक अनुमतियों के दस्तावेज जमा करने को कहा है। निर्धारित अवधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गई है।

नगर निगम और कॉलोनी सेल द्वारा कोलार क्षेत्र के रतनपुर, बैरागढ़ चीचली, अकबरपुर और नयापुरा सहित विभिन्न स्थानों पर विकसित हो रही कॉलोनियों को जांच के दायरे में लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति विकसित हो रही कॉलोनियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तीन साल की कार्रवाई पर सवाल

हालांकि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की प्रभावशीलता को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में भोपाल में 576 अवैध कॉलोनियां चिन्हित की गई थीं। इनमें से दिसंबर 2016 से पहले विकसित 320 कॉलोनियों को वैधीकरण प्रक्रिया में शामिल कर राहत प्रदान की गई, जबकि शेष कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई के दावे किए गए।

300 एफआईआर, लेकिन गिरफ्तारी नहीं

अवैध कॉलोनियों के मामलों में अब तक लगभग 300 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, लेकिन किसी भी कॉलोनाइजर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इतना ही नहीं, किसी भी मामले में अदालत में चालान पेश होने की जानकारी सामने नहीं आई है। कई स्थानों पर केवल औपचारिक कार्रवाई के तहत बाउंड्रीवाल या निर्माण के कुछ हिस्सों को हटाया गया, जबकि अधिकांश कॉलोनियों में विकास कार्य जारी रहे। 1 जून को आयोजित कॉलोनी सेल की बैठक के बाद नगर निगम ने सभी जोन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करने और संदिग्ध निर्माण गतिविधियों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को बिना अनुमति विकसित हो रही कॉलोनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से होगी शुरू

सच संवाददाता ॥ भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से प्रारंभ होकर 9 अगस्त तक चलेगी। सुरक्षा कारणों के चलते श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने पिछले वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा मार्गों को नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया है, जिसके कारण श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी।

श्राइन बोर्ड के अनुसार, पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर श्रद्धालु अब पैदल, खच्चर अथवा पालकी के माध्यम से ही पवित्र गुफा तक पहुंच सकेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। रिंकू भटेजा ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध न होने को ध्यान में रखें तथा आवश्यक तैयारियों के साथ यात्रा पर जाएं।

मिलावट रोकने में विफलता का आरोप

खाद्य सुरक्षा विभाग में लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अधिकारी

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि शासन-प्रशासन में बैठे कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के कारण कई जिलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं, जिससे मिलावटखोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है और आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वर्ष 2008 से लगातार पदस्थ हैं और उनका एक बार भी स्थानांतरण नहीं हुआ है। कुछ अधिकारियों का स्थानांतरण होने के बाद भी वे पुनः पुराने जिले में पदस्थ हो गए। इससे विभागीय निष्पक्षता और कार्रवाई की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

आरोप यह भी हैं कि कुछ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की जांच एवं विभागीय जांच लंबित होने के बावजूद वे अपने पदों पर कार्यरत हैं। कुछ मामलों में निलंबन के बाद भी अधिकारियों को पुनः बहाल कर दिया गया, जिससे शासन की छवि प्रभावित हुई है।

रीवा जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे का मामला भी चर्चा में है। आरोप है कि ईओडब्ल्यू की कार्रवाई में उनके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ था, लेकिन कठोर कार्रवाई के बजाय उन्हें पुनः पदस्थ कर दिया गया। इसी प्रकार मुरैना के खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता के विरुद्ध विभागीय जांच चलने और निलंबन की कार्रवाई होने के बावजूद बाद में उन्हें बहाल कर दिया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार मैदानी अमले को सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक समय तक एक ही स्थान पर नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बावजूद कई अधिकारी करीब 18 वर्षों से एक ही जिले में पदस्थ बताए जा रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर प्रभाव और मिलीभगत की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और आम जनता को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के प्रति गंभीर है, तो विभाग में व्यापक प्रशासनिक सुधार और नियमित स्थानांतरण नीति का कड़ाई से पालन आवश्यक है। उनका कहना है कि इससे नकली घी, पनीर, मावा, दूध, दही और मिठाइयों जैसी खाद्य सामग्री में मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकेंगे।

प्री मानसून गतिविधियों ने गर्मी से दी राहत

सच संवाददाता ॥ भोपाल

आमतौर पर भीषण गर्मी और लू के लिए पहचाने जाने वाले नौतपा ने इस वर्ष राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश में अलग ही तस्वीर पेश की। नौ दिनों तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि का दौर जारी रहा, जिससे गर्मी का असर काफी कम हो गया। लगातार मौसम परिवर्तन के चलते प्रदेश में लू का प्रभाव लगभग समाप्त हो गया और अधिकांश शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के 36 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। इंदौर, उज्जैन सहित कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल और ग्वालियर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उज्जैन में 37.5 डिग्री, इंदौर में 38.2 डिग्री और जबलपुर में 38.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं पचमढ़ी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। पश्चिमी विक्षोभ और ट्रफ लाइन के प्रभाव से आंधी और बारिश का सिलसिला बना हुआ है। हालांकि इस वर्ष मानसून की एंट्री सामान्य समय से कुछ देर से होने की संभावना है। अनुमान है कि मध्य प्रदेश में मानसून 20 से 22 जून के बीच दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और तेज आंधी तथा बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

छोला मंदिर इलाके में हुई घटना, आरोपी फरार

ब्रेकअप के बाद से रंजिश रखने वाले युवक ने दो बहनों पर किया चाकू से हमला

सच संवाददाता ॥ भोपाल

युवक का मोहल्ले में ही रहने युवती से प्रेम-प्रसंग था। बाद में युवक की हरकतों की वजह से युवती ने उससे दूरी बना ली। युवक को लगता था कि युवती की बहन के कारण उसका ब्रेकअप हो गया। इसी रंजिश के चलते युवक ने मंगलवार को दोनो बहनों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छोला मंदिर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय युवती छोला इलाके में रहती है। उसके मोहल्ले में ही अक्षय चंदेल नाम का युवक रहता है। एक ही इलाके में रहने के कारण उनके बीच बातचीत होती थी बाद में उनके बीच प्रेम-प्रसंग भी हो गया। कुछ दिनों में युवक की हरकतों को परखने के बाद युवती ने युवक दूरी बनाना शुरू कर दी। उस दौरान उनके बीच विवाद भी हुआ। जब भी मौका मिलता तो युवक उसे परेशान भी करता था। युवक को यह भी लगात था कि उसकी प्रेमिका की बहन के कारण उसका ब्रेकअप हो गया। इसी वजह से वह दोनों ही बहनों से रंजिश रखता था। मंगलवार की शाम करीब साढ़े बजे दोनों बहने अपने घर के बाहर ही खड़ी थीं इसी दौरान युवक वहां पर पहुंचा तथा उसने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। युवती ने विरोध किया तो युवक ने जेब से चाकू निकालकर दोनों बहनों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद वह मौके से भाग निकला। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दृष्टिहीन युवक की सोते-सोते हुई मौत

छोला मंदिर इलाके में एक दृष्टिहीन युवक की मौत हो गई। रात में खाना खाने के बाद सोया था। सुबह मां ने जगाया लेकिन उसके शरीर में हलचल नहीं हुई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। छोला मंदिर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय शुभम मल्टी भानपुर में अपनी मां के साथ रहता था। उसके पिता ग्वालियर में नौकरी करते हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। 12 साल की उम्र में उसकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई थी। पढ़ाई के लिए उसने इंदौर के ब्लाइंड स्कूल में दाखिला लिया था। एक महीने पहले ही वह इंदौर से भोपाल आया था। मल्टी में मां और बेटे अकेले ही रहते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद शुभम को नौकरी की तलाश थी। सोमवार की रात वह खाना खाने के बाद कमरे में सो गया था। मंगलवार की सुबह मां ने उसे जगाया लेकिन उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। इसके बाद मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस को उसके शरीर पर चोटों के निशान नहीं मिले हैं और मौके से सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

10 साल से अटकी पदोन्नतियां, सरकार तलाश रही नया रास्ता

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश के लाखों सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। करीब एक दशक से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को जल्द खुशखबरी मिल सकती है। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के लिए नए कानूनी और प्रशासनिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में पदोन्नति नियम 2025 को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने 17 फरवरी 2026 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि फैसला सुनाए जाने से पहले ही न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा का पदोन्नयन होकर वे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बन गए। कानूनी जानकारों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में सुरक्षित रखे गए निर्णयों का निस्तारण 90 दिनों के भीतर हो जाना चाहिए, लेकिन इस मामले में अब तक फैसला नहीं आया है। यदि हाईकोर्ट पदोन्नति नियम 2025 को वैध ठहराता है तो प्रदेश में पदोन्नति का रास्ता स्वतः साफ हो जाएगा। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार सरकार हाईकोर्ट के अंतिम निर्णय का इंतजार करने के बजाय पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के लिए वैकल्पिक रास्तों पर भी विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में कानूनी सलाह ली जा रही है। दरअसल, पदोन्नति नियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने हाईकोर्ट को लिखित आश्वासन दिया था कि मामले के अंतिम निर्णय तक सरकार कोई पदोन्नति नहीं करेगी। इस आश्वासन को न्यायालय ने रिकॉर्ड पर लिया था। सूत्रों का कहना है कि सरकार अब हाईकोर्ट में दिया गया यह लिखित आश्वासन वापस लेने की संभावना पर विचार कर रही है। यदि ऐसा होता है तो राज्य में लंबे समय से लंबित पदोन्नतियों की प्रक्रिया शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है।

वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं।

भारतीय भूमि अतिक्रमण मुद्दे पर घिरे बालेन्द्र

नेपाली मीडिया भी हतप्रभ है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट प्रधानमंत्री शाह के बयान को अपरिपक्व मानते हुए लिखता है, `अगर उन्होंने `अतिक्रमण' शब्द के बजाय `सीमा-पार के कब्ज़े' शब्द का इस्तेमाल किया होता, तो कोई विवाद नहीं होता। दूसरा, नेपाल और भारत के बीच उभयपक्षीय मामले में ब्रिटेन को शामिल करने की इच्छा भी गलत है। भारत ने बार-बार कहा है कि वह बाउंडरी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को कभी नहीं कबूल करेगा, चाहे वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश या नेपाल के साथ हो।'जो भी हो, बालेन्द्र शाह का यह बयान भारत-नेपाल संबंधों का कड़वा सच है, जिसे वहां के तथाकथित राष्ट्रवादी नेता और प्रतिक्रियावादी पचा नहीं पा रहे हैं।

गत 27 मार्च को पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक बार भी संघीय संसद को संबोधित नहीं किया था—यहां तक कि अनिवार्य साप्ताहिक प्रश्न-उत्तर सत्रों के दौरान भी नहीं। उनकी चुप्पी तोड़ने और विधायिका के प्रति जवाबदेही दिखाने का दबाव उन पर लगातार बढ़ रहा था। और फिर रविवार को जब बालेन्द्र शाह संसद में बोले, सभी सन्नाटे में आ चुके थे। उन्होंने अपने आलोचकों को शांत करने के बजाय, मानो डंक मारने वाली मधुमक्खियों का एक झुंड ही छोड़ दिया। जिसे अंग्रेजी में 'पैंडोरा बॉक्स खोलना' कहते हैं।

संसद में दो अलग-अलग सवालों का जवाब देते हुए, शाह ने सबसे पहले कहा कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद को सुलझाने के लिए भारत के साथ प्रयास जारी हैं। लेकिन, फिर उन्होंने यह भी जोड़ा कि न केवल भारत ने नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की ज़मीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि भारत के साथ मौजूदा सीमा विवादों में से कई की जड़ें 1816 में ब्रिटिश भारत के साथ हुई सुगौली संधि में हैं, इसलिए उनकी सरकार भारत-नेपाल सीमा चर्चाओं में ब्रिटिश पक्ष को शामिल करने की कोशिश कर रही है।

काठमांडू पोस्ट जैसा अखबार भी इस बयान से हैरान था। अगले दिन के सम्पादकीय में अखबार लिखता है— 'सीमा विशेषज्ञों के साथ-साथ उन वरिष्ठ पूर्व सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की है, ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जिसमें भारत ने कभी 'नेपाली अतिक्रमण' का मुद्दा उठाया हो। इसलिए, प्रधानमंत्री का यह बयान भविष्य की सीमा वार्ता में भारत के पक्ष को मज़बूत करता है।'

कोई राष्ट्रीय अख़बार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करे, तो यह उभयपक्षीय हितों के लिए अच्छा नहीं है। भारत से यदि भूमि विवाद नहीं होता, तो 'बाउंडरी वर्किंग ग्रुप' का गठन क्यों किया गया? संयुक्त तकनीकी समिति ने लगभग 26 वर्षों तक कार्य किया। यह दावा किया गया कि सीमा संबंधी 97 प्रतिशत समस्याओं का समाधान कर लिया गया। शेष तीन प्रतिशत का समाधान करना उनकी क्षमता से परे था। उसमें कालापानी-लिम्पियाधुरा शामिल है—जो 370 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा अतिक्रमण है; इसके अलावा 24 किलोमीटर का सुस्ता क्षेत्र और लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्रफल वाले अन्य स्थान भी इसमें हैं। कुल मिलाकर, ऐसे लगभग 71 स्थान हैं जो 606 वर्ग किलोमीटर का कुल क्षेत्रफल घेरते हैं। इस

स्थिति के बने रहने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक, सीमांकन के लिए पुराने मानचित्रों और दस्तावेजों की अनुपलब्धता है।

काश! काठमांडू पोस्ट ने बुद्धि नारायण श्रेष्ठ की पुस्तक 'द नेचुरल एनवायरनमेंट्स एंड द शिफ्टिंग बॉर्डर्स ऑफ नेपाल' में बर्नार्डो माइकल द्वारा की गई टिप्पणी पर ग़ौर किया होता, 'आज भी, भारत और नेपाल के बीच सीमा विवादों की उपस्थिति यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आधुनिक सीमाओं के निर्धारण की यह परियोजना सदैव एक 'अधूरी परियोजना' ही बनी रहेगी।'

नेपाल के लिए मुश्किल यह है कि लिपुलेख के मुद्दे पर चीन उसके साथ नहीं खड़ा है। लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन भारत का है, उसकी पुष्टि 15 मई, 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की राजकीय यात्रा के दौरान हुआ व्यापार समझौता है। यह भारत और चीन के बीच एक द्विपक्षीय समझौता था, जिस पर चीनी प्रधानमंत्री ली कछियांग के साथ पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें औपचारिक रूप से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पर सहमति बनी थी। 41-सूत्री संयुक्त बयान के बिंदु 28 में लिपुलेख दर्रे (कियांगला) को औपचारिक रूप से एक द्विपक्षीय सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी।

तब नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि भारत और चीन ने उसकी सहमति के बिना, उसके दावे वाले क्षेत्र से होकर व्यापार करने पर बातचीत की है। बाद के दिनों में नेपाल के तीन प्रधानमंत्रियों केपी शर्मा ओली, प्रचंड और शेर बहादुर देउबा ने लिपुलेख-लिम्पियाधुरा के बॉल को जमकर खेला। बालेन्द्र शाह से पहले पीएम ओली इस मुद्दे को उठाने 3 सितम्बर, 2025 को पेइचिंग में आहूत थिएनमान चौक विजय दिवस समारोह तक गए लेकिन, चीनी सत्ता प्रतिष्ठान ने उसे अनसुना कर दिया। चीन और भारत तय कर चुके थे कि लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन के बरास्ते जून, 2026 में उभयपक्षीय व्यापार होना है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी क़ब्ज़ा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन-किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है। कई सांसद यह चाह रहे हैं कि संसद के रिकार्ड से यह बयान स्पन्ज़ किया जाये। लेकिन, ज़ुबान से निकली बात और कमान से छूटे तीर की वापसी नहीं हो सकती। नेपाली मीडिया भी हतप्रभ है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट प्रधानमंत्री शाह के बयान को अपरिपक्व मानते हुए लिखता है, 'अगर उन्होंने 'अतिक्रमण' शब्द के बजाय 'सीमा-पार के कब्ज़े' शब्द का इस्तेमाल किया होता, तो कोई विवाद नहीं होता। दूसरा, नेपाल और भारत के बीच उभयपक्षीय मामले में ब्रिटेन को शामिल करने की इच्छा भी गलत है। भारत ने बार-बार कहा है कि वह बाउंडरी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को कभी नहीं कबूल करेगा, चाहे वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश या नेपाल के साथ हो।'जो भी हो, बालेन्द्र शाह का यह बयान भारत-नेपाल संबंधों का कड़वा सच है, जिसे वहां के तथाकथित राष्ट्रवादी नेता और प्रतिक्रियावादी पचा नहीं पा रहे हैं। काठमांडू स्थित सिंह दरबार के गर्भ में वो तमाम दस्तावेज़ ग़र्क़ हैं, जिसमें भूमिहरण संबंधी नक्शा और दस्तावेज़ों की हेराफेरी नेपाली नौकरशाहों ने समय-समय पर की है। नेपाली नेताओं की बौखलाहट की वजहें हैं। नेपाली संसद के निचले सदन में 13 जून, 2020 को लिपुलेख ट्राइजैक्शन की दावेदारी को सही ठहराने के लिए एक फ़र्जी चूचे नक्शा पास किया गया था। उसके सोर्स पर तत्कालीन सांसद सरिता गिरि ने सवाल किया, तो उनकी सदस्यता बर्खास्त कर दी गई।नेपाल की लीडरशिप जिस 10 सूत्री सुगौली संधि को जपती रहती है, कम से कम उसके तीसरे और पांचवें बिंदु को ध्यान से पढ़ना चाहिए। पांचवें बिंदू में लिखा है- 'नेपाल के राजा, उनके वारिस और उत्तराधिकारी काली नदी के पश्चिम में स्थित सभी दावों का परित्याग करेंगे।' भूलवश या अपरिपक्वता कहें, बालेन्द्र शाह ने जिस विवादित जिन्न को बोतल से बाहर निकाल दिया है, उसे वापस बोतल में डालना अब मुश्किल होगा।

-पुष्परंजन
लेखक भू-राजनीतिक मामलों के पत्रकार हैं।

संकष्टी चतुर्थी: श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक संतुलन का जीवंत पर्व

संकष्टी चतुर्थी हिंदू धर्म में भगवान गणेश को समर्पित एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है। संकष्टी का अर्थ होता है कष्ट या बाधा और मान्यता है कि जो लोग संकष्टी चतुर्थी का व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक करते हैं, उन्हें जीवन के संकटों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही मानसिक शांति मिलती है और उनके किसी भी कार्य में कोई रुकावट नहीं आती। संकष्टी व्रत हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। यदि यह मंगलवार को पड़ती है तो इसे 'अंगारकी संकष्टी चतुर्थी' कहते हैं और यह अन्य संकष्टी चतुर्थियों से अधिक फलदायी मानी जाती है। भारतीय धर्म परंपरा में इस व्रत को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। चूंकि भगवान गणेश सभी तरह की बाधाओं को हरने वाले विघ्नहर्ता हैं, इसलिए उनको समर्पित यह चतुर्थी व्रत बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

इस दिन व्रत रखने वालों के लिए संयम, उपवास, जप, ध्यान और चंद्र दर्शन करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। माना जाता है कि इस व्रत को करने से आत्मबल मजबूत होता है। संकष्टी चतुर्थी मनौती का व्रत नहीं है। इसका एक गहरा आध्यात्मिक महत्व है। इस पूरे दिन उपवास रखने वाले व्यक्ति को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना होता है। भारतीय योग परंपरा में उपवास को केवल भोजन त्याग की गतिविधि नहीं माना जाता, बल्कि मन की शुद्धि का माध्यम भी माना जाता है। गणेश जी बुद्धि और विवेक के देवता हैं, उनके मंत्रों और ध्यान से मानसिक स्थिरता प्राप्त होती है। यह व्रत व्यक्ति को धैर्य और विश्वास सिखाता है। इसका आध्यात्मिक संदेश यह है कि जीवन अनेक प्रकार की कठिनाइयों का हिस्सा है, लेकिन संयम और श्रद्धा से उनका सामना किया जा सकता है।

संकष्टी चतुर्थी व्रत रखने वालों को धार्मिक परंपरा और विधान के अनुसार यह व्रत रखना चाहिए। उन्हें प्रात:काल उठकर स्नान करना चाहिए, घर या मंदिर में गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष व्रत का संकल्प करना चाहिए और इस दिन की पूजा सामग्री कुछ इस प्रकार होनी चाहिए— दूर्वा घास, मोदक या लड्डू, लाल फूल, चंदन, धूप-दीप, फल। गणेश जी को विशेष रूप से दूर्वा और मोदक अत्यंत प्रिय माने जाते हैं। कई लोग इस दिन निर्जल व्रत रखते हैं, जबकि कुछ फलाहार लेते हैं। संकष्टी चतुर्थी के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का महत्व है, वास्तव में चंद्र दर्शन के बाद ही व्रत खोला जाता है। पहले चंद्रमा के दर्शन किए जाते हैं, फिर उसे अर्घ्य दिया जाता है, तत्पश्चात गणेश जी की आरती की जाती है और इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया जाता है।

संकष्टी चतुर्थी व्रत के साथ कई कथाएं जुड़ी हैं। सबसे प्रसिद्ध कथा भगवान शिव, माता पार्वती और उनके पुत्र गणेश से संबंधित है। कथा के अनुसार एक बार देवताओं और मनुष्यों के जीवन में अनेक संकट उत्पन्न हो गए थे। तब सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और इन संकटों से पार पाने का उपाय पूछा। भगवान शिव ने कहा कि इन विघ्नों का नाश केवल गणेश जी ही कर सकते हैं। इसके बाद गणेश जी की आराधना की गई और चतुर्थी का व्रत रखा गया।

गणेश जी प्रसन्न हुए और सभी संकट दूर हो गए। तभी से यह मान्यता बनी कि जो व्यक्ति श्रद्धा से संकष्टी चतुर्थी का व्रत करता है, उसके जीवन की बाधाएं कम होती हैं। एक अन्य कथा का भी इस व्रत से संबंध है, जिसके अनुसार चंद्रमा ने गणेश जी का उपहास उड़ाया था, जिस कारण उसे श्राप मिला। बाद में चंद्रमा ने चतुर्थी व्रत और गणेश उपासना से क्षमा प्राप्त की। इस व्रत में चंद्र दर्शन का भी विशेष महत्व है। आधुनिक जीवन में संकष्टी चतुर्थी का अर्थ है कि आज के तनावपूर्ण और तेज रफ्तार जीवन में मानसिक अनुशासन, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक स्थिरता बनाए रखने के लिए संयम और आत्मबल की आवश्यकता होती है।

गणेश जी के प्रति श्रद्धा रखने वाले और उनके लिए संकष्टी चतुर्थी का व्रत करने वाले लोग इसे चाहें तो मासिक 'माइंड डिटॉक्स' की तरह भी देख सकते हैं। संकष्टी चतुर्थी का व्रत करके महीने भर की लाइफस्टाइल संबंधी शारीरिक समस्याओं से निजात पा सकते हैं। लोग इस दिन अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में संयम और नियम से आध्यात्मिक चिंतन-मनन में बिताते हैं और दिनभर उपवास रखते हैं, जिससे बॉडी डिटॉक्स आसानी से हो जाता है। दरअसल, संकष्टी चतुर्थी केवल संकट दूर करने का व्रत नहीं है, बल्कि धैर्य, संयम और विश्वास को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का अभ्यास है। वास्तव में गणेश जी की पूजा और उनके प्रति सम्मान व संयम के जरिए लोग अपने निजी जीवन में आत्मबल का संबल हासिल करते हैं तथा अपने भीतर छिपी शक्तियों को इस व्रत और चिंतन-मनन से जागृत करते हैं।

इस प्रकार यह व्रत न केवल उन्हें आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि शरीर को भी तनावमुक्त और ऊर्जा से भरपूर कर देता है। यही कारण है कि सदियों से भारतीय परिवारों में लोग संकष्टी चतुर्थी का व्रत बहुत ही श्रद्धापूर्वक मनाते रहे हैं। इस व्रत को लेकर भारत के लोकजीवन में गहरी आस्था और श्रद्धा है। यही कारण है कि संकष्टी चतुर्थी का व्रत हिंदू धर्म के उन गिने-चुने व्रतों में शामिल है, जो उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक, देश के हर कोने में रखा जाता है।

पूजा विधि

श्रद्धालु इस दिन सुबह जल्दी उठकर भगवान गणेश जी की पूजा करते हैं एवं व्रत रखते हैं। जो व्यक्ति इस दिन व्रत रखते हैं वह पूरे दिन केवल दूध या फल ही खाते हैं। इसके अलावा कुछ लोग कच्ची सब्जियां, फल, मूंगफली एवं आलू भी खाते हैं। शाम को फिर सूर्यास्त के पहले स्नान किया जाता है। इसके बाद गणेशजी की प्रतिमा को ताजे फूलों से सजाया जाता है। चन्द्र दर्शन के बाद पूजा की जाती है एवं व्रत कथा पढ़ी जाती है। इसके बाद ही संकष्टी चतुर्थी का व्रत पूर्ण होता है।

इस व्रत का महत्व

चतुर्थी के दिन चन्द्र दर्शन को बहुत ही शुभ माना जाता है। चन्द्रोदय के बाद ही व्रत पूर्ण होता है। मान्यता यह है कि जो व्यक्ति इस दिन व्रत रखता है उसकी संतान संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। अपयश और बदनामी के योग कट जाते हैं। हर तरह के कार्यों की बाधा दूर होती है। धन तथा कर्ज संबंधी समस्याओं का समाधान होता है।

गर्दन से बाहर पर्यटन

हाथों में तलवार-पिस्तौल लिए कौन पर्यटक हो सकता है, लेकिन हिमाचल में ऐसे परिदृश्य से पर्यटक सीजन गुजर रहा है। पर्यटक सीजन अगर कानून व्यवस्था का उल्लंघन बनता जा रहा है, तो इस मंजर को समझना होगा। समझना होगा कि सडक़ों पर वीभत्स दृश्य क्यों उभर रहे हैं। क्यों कोई कार वाला दराट निकाल कर ट्रक पर प्रहार कर रहा है या वाहनों की छत से बाहर गर्दनें शोर-शराबा कर रहीं। हम अत्यधिक पर्यटन के शिकार होने के बावजूद जिन्हें सैलानी मान रहे हैं, वे दरअसल भीड़ के संवाहक हैं। हमारी पर्यटन योजनाएं सडक़ों पर हांफ रही हैं। बढ़ते वाहन, अंधाधुंध निर्माण, गंदगी का आलम, जलापूर्ति का अभाव, महंगाई का प्रभाव और उपेक्षा में गतिशील होता आवागमन, प्रदेश की छवि को मलियामेट कर देगा। लगभग हर पर्यटक सीजन अपने साथ नकारात्मक पहलू जोड़ देता है और आगंतुक पहाड़ को कोसते लौट जाते हैं। न मौसम, न पानी और न ही सुकून हिस्से आता है, तो फिर कंक्रीट के बीच कौन हिल स्टेशन को अंगीकार करेगा। हम रिकार्ड के कायल हैं, इसलिए लक्ष्य यह कि पांच करोड़ सैलानी बुलाने की घोषणा कर देते हैं। आज अगर हिमाचल पर्यटन की तिजोरी अटल टनल में खुल रही है, तो रोजाना ग्यारह से बारह हजार वाहनों का बीच से गुजर जाना, हमारी समस्या है। अगर शिकारी देवी में आस्था की मर्यादा टूट कर सैलानी खोजती है, तो कल यह स्थिति और विकराल होगी। वाहन रेंगते हुए बीड़-बिलिंग की सडक़ों को रौंद देते हैं, तो यह कुफ्र की सौगात है। हम पर्यटन के नाम पर अपनी कमजोरियां कब तक छुपाएंगे। ये ट्रैफिक जाम के सिलसिले राजधानी शिमला को इतना बदसूरत बना देते हैं कि कहीं देवदार के पौधे परेशान हो उठते हैं। आखिर हमारे पर्यटक शहरों की क्षमता का अति दोहन, विनाश की ओर ही अग्रसर है। फिर वही तोहमतें, आपसी टकराव और बेहूदा पर्यटन, कसोल, धर्मकोट और भागसूनाग में आकर तांडव करता है, तो डलहौजी और कसौली भी द्वंद्व कर बैठते हैं। वाहन टकराते हैं या आगे गुजरने की दौड़ में भयंकर उत्पात मचाते हैं। ऐसे में पर्यटन की व्यवस्था कायम करने की जरूरत है और यह हिमाचल के एंट्री प्वाइंट्स से शुरू होनी चाहिए ताकि वाहनों से आपत्तिजनक सामग्री हटाई जा सके।

पति-पत्नी के बीच टकराव क्यों?

यदि पति या उसका परिवार नियंत्रण की आड़ में महिला के साथ शारीरिक या मानसिक क्रूरता (दहेज उत्पीडऩ, मारपीट) करता है, तो महिला के पास भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत कानूनी सहायता लेने का पूरा अधिकार है। भारतीय समाज में कई बार बड़े बुजुर्गों या पारंपरिक मान्यताओं को लेकर पति-पत्नी के बीच टकराव हो जाता है। इन मामलों में धैर्य, समझदारी और आपसी बातचीत से समस्याओं का हल निकाला जाता है। पति-पत्नी के रिश्ते में नियंत्रण की समस्या बहुत अधिक बढ़ जाए, तो पारिवारिक काउंसलर की मदद लेना सबसे सुरक्षित और सकारात्मक विकल्प माना जाता है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव और टकराव को कम करने के लिए बेहतर है कि जो बात आपको पसंद नहीं है, उसे चिल्लाने या ताना मारने के बजाय शांति से और स्पष्ट रूप से बताएं अनेक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ पतियों द्वारा पत्नी को नियंत्रित करने या उन पर अनुचित रोक-टोक लगाने की कोशिश अक्सर रिश्ते में तनाव, असुरक्षा और अलगाव का कारण बन रही है। यह एक सामाजिक चिंतन का विषय है। पतियों द्वारा पत्नी को कंट्रोल करने के दृष्टिकोण और इसके परिणामों को मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण से देखना महत्त्वपूर्ण है। देखने में आ रहा है कि कई बार पति जाने-अनजाने में या जानबूझकर पत्नी को ज्यादा नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि पत्नी के व्यक्तिगत फैसलों, करियर या कपड़ों पर अनुचित रोक-टोक लगाना। पत्नी को घर के खर्च या उसकी अपनी कमाई पर निर्णय न लेने देना। पत्नी को अपने परिवार, मायके या दोस्तों से मिलने से रोकना। पत्नी के फोन, सोशल मीडिया या दिनचर्या पर बेवजह नजर रखना। डार्क मनोविज्ञान के अनुसार अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेड़ियों में जकड़ सकता है तो ये

ठीक नहीं है। सनद रहे कि पति-पत्नी जिंदगी की गाड़ी के दो पहिए होते हैं। अगर एक भी कमजोर पड़ा तो गाड़ी बेकार हो जाती है। वहीं आज का समय तो ऐसा है कि पति-पत्नी, दोनों को ही साथ मिलकर चलना होता है। ऐसे में अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेड़ियों में जकड़ सकता है तो ये पूरी तरह से गलत है। अपनी पत्नी पर नामुनासिब रोक-टोक करने से पति सिर्फ और सिर्फ अपना नुकसान करेंगे। अगर एक पति होने के नाते आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आप अपने कंट्रोलिंग नेचर को कैसे काबू में करें, तो आपको गंभीरता से सोचना चाहिए।

अगर आप चाहते हैं कि आपकी शादीशुदा जिंदगी अच्छे से चलती रहे तो आपको ये समझने की जरूरत है कि अगर आप अपनी पत्नी को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे तो आपका रिश्ता खराब हो सकता है। बेहतर है कि आप पत्नी को वैचारिक तौर पर फ्री छोड़ें ताकि आपका रिश्ता खुलकर सांस ले सके। महिला स्वाभिमान का प्रश्न है। यह आपको इस बात का ख्याल रखना है कि आपकी पत्नी का भी किसी बात पर अपना विचार हो सकता है। ऐसे में उसकी कही गई किसी भी बात को नजरअंदाज करने की बजाय उनकी बात को ध्यान से सुनें। उन्हें ये एहसास कराएं कि उनका किसी भी बात में अपनी बात रखना उतना ही जरूरी है जितना आपका पति होने के कारण है। कुछ पतियों को लगता है कि पत्नी के आत्मनिर्भर या अधिक स्वतंत्र होने से उनका वर्चस्व कम हो जाएगा। पितृसत्तात्मक सोच के कारण कुछ पुरुष यह मान लेते हैं कि पत्नी पर उनका अधिकार है। याद रहे पत्नी पति की खरीदी हुई संपत्ति तो नहीं होती, न ही पति कोई किसी रजिया सुल्तान का गुलाम होता है। बातचीत की कमी और एक-दूसरे के विचारों को न समझ पाना भी एक बड़ी समस्या है। पत्नी को नियंत्रित करने की कोशिश करने से वैवाहिक बंधन कमजोर हो जाता है और पति को नियंत्रित करना भी घर में अशांति, मानसिक तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा कर देता है। इसका खुशनुमा हल यह है कि समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाएं और एक-दूसरे की बात सुनें। क्या गलत है, पति-पत्नी एक-दूसरे के व्यक्तिगत स्पेस और स्वतंत्रता का सम्मान करें। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मर्द ही औरतों को कंट्रोल करके रखना चाहते हैं, आजकल महिलाओं में भी ऐसा बर्ताव देखने को मिल रहा है। मनोविज्ञान कहता है कि पति को कंट्रोल करके रखने वाली पत्नियां तर्क-वितर्क में बेहद तेज होती हैं। मतलब उनसे बहसबाजी में जीत पाना मुश्किल होता है। वो कहीं न कहीं से कोई बात निकालकर खुद को सही और आपको गलत साबित करके ही दम लेती हैं। अगर ऐसा है, तो समझ जाएं कि पत्नी आपको नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। मनोविज्ञान के अनुसार, कुछ कंट्रोलिंग पत्नियों की एक बहुत ही अजीब बात होती है कि वो आपके हर एक काम में कोई न कोई खामियां निकाल ही लेंगी और फिर उस पर आपको बातें सुनाएंगी। आप पर सही से काम करने का प्रेशर बनाती हैं और ऐसा दर्शाती हैं जैसे उनके बिना आप कोई काम ढंग से कर ही नहीं सकते। पार्टनर को ये बताना कि कहां जा रहे हैं, कहीं से भी गुलामी नहीं दर्शाता, बल्कि ये आपसी प्यार और विश्वास को जताने का एक तरीका होता है। लेकिन अगर आपकी पत्नी बताने के बावजूद आपको बार-बार फोन करके आपके हर एक पल पर नजर रखे हुए है, तो ये सही बात नहीं है। यह तो आपसी विश्वास की कमी है। यही नहीं उन्हें आपका दोस्तों के साथ वक्त बिताना, छुट्टी वाले दिन घर में न रहने से भी अगर प्रॉब्लम होती है, तो ये कहीं न कहीं पत्नी द्वारा ओवर कंट्रोल करने की निशानी है। भारतीय कानून पति और पत्नी दोनों के अधिकारों व सम्मान की रक्षा करता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार पति का पत्नी के निजी 'स्त्रीधन' (गहने, उपहार और संपत्ति जो उसे अपने परिवार से मिले हैं) पर कोई कानूनी नियंत्रण नहीं होता। सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि यदि पति घर के खर्चों का हिसाब-किताब रखता है या वित्तीय मामलों में निर्णय लेता है, तो जब तक कोई ठोस शारीरिक या मानसिक क्रूरता साबित न हो, इसे अपने आप में अपराध या प्रताडऩा नहीं माना जा सकता। यदि पति या उसका परिवार नियंत्रण की आड़ में महिला के साथ शारीरिक या मानसिक क्रूरता (दहेज उत्पीडऩ, मारपीट) करता है, तो महिला के पास भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत कानूनी सहायता लेने का पूरा अधिकार है। भारतीय समाज में कई बार बड़े बुजुर्गों या पारंपरिक मान्यताओं को लेकर पति-पत्नी के बीच टकराव हो जाता है। इन मामलों में धैर्य, समझदारी और आपसी बातचीत से समस्याओं का हल निकाला जाता है। पति-पत्नी के रिश्ते में नियंत्रण की समस्या बहुत अधिक बढ़ जाए, तो पारिवारिक काउंसलर की मदद लेना सबसे सुरक्षित और सकारात्मक विकल्प माना जाता है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव और टकराव को कम करने के लिए बेहतर है कि जो बात आपको पसंद नहीं है, उसे चिल्लाने या ताना मारने के बजाय शांति से और स्पष्ट रूप से बताएं। पति-पत्नी के रिश्ते में 'कौन सही है' यह साबित करने के बजाय, रिश्ते को प्राथमिकता दें। कभी-कभी गलती न होने पर भी झुक जाना समझदारी होती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद एक-दूसरे के साथ कुछ अच्छा समय बिताएं और आपसी भावनाओं को समझें। पुरानी गलतियों को माफ करें, पुरानी बातों को बार-बार कुरेदने से बचें। याद रहे दांपत्य जीवन में माफ करना और आगे बढऩा एक मजबूत रिश्ते की नींव है।

डा. वरिंद्र भाटिया

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

सबसे अधिक गोल का मिरोस्लाव का रिकार्ड टूटेगा या नहीं देखना होगा

सेन डियागो। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस

का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है। आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

लंदन। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

सच बाजार

सरकार से मांग: खाद्य तेल पर स्टॉक सीमा लागू करने की जरूरत, कीमतों में 10-15 फीसदी गिरावट की संभावना

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

लगातार बढ़ती खाद्य तेलों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार से स्टॉक सीमा (स्टॉक लिमिट) लागू करने की मांग की जा रही है। बाजार जानकारों का मानना है कि यदि सरकार यह कदम उठाती है, तो आने वाले समय में खाद्य तेलों के दामों में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिल सकती है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के पूर्व प्रदेश महामंत्री रमाकांत तिवारी ने कहा कि घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की आपूर्ति और जमाखोरी पर नियंत्रण लगाने से कीमतों में स्थिरता आएगी। इससे जून-जुलाई के दौरान आम उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की संभावना है।

तिवारी का कहना है कि हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव और आयात लागत बढ़ने के कारण तेल की कीमतों में तेजी देखी गई है। ऐसे में स्टॉक सीमा लागू होने से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और जमाखोरी पर रोक लगेगी। रमाकांत तिवारी के अनुसार, बाजार में कीमतों में संभावित गिरावट से घरेलू बजट पर पड़ने वाला दबाव कम होगा और उपभोक्ताओं को आवश्यक खाद्य तेलों की खरीद में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मांग और आपूर्ति के संतुलन के चलते कीमतों में नरमी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जमाखोरी और कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण के लिए स्टॉक सीमा लागू किए जाने की संभावना है। यदि सरकार यह कदम उठाती है, तो बाजार में खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रमाकांत तिवारी ने कहा कि बाजार में पारदर्शिता और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने से न केवल कीमतों पर नियंत्रण रहेगा, बल्कि आम जनता को भी आर्थिक रूप से राहत मिलेगी।

खाद्य तेल पैकिंग में फिर लागू होगा स्टैंडर्डाइजेशन, तय पैक साइज में ही होगी बिक्री

उपभोक्ताओं के साथ हो रही धोखाधड़ी और भ्रम को रोकने के लिए सरकार खाद्य तेलों की पैकेजिंग में मानकीकरण का नियम फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत तेल की बिक्री केवल निश्चित और तय पैक आकारों (जैसे 250 मिली/ग्राम, 500 मिली/ग्राम, 1 लीटर/किग्रा और 5 लीटर/किग्रा) में ही अनिवार्य की जाएगी। केंद्र सरकार जल्द ही खाद्य तेल पैकिंग में स्टैंडर्डाइजेशन दोबारा लागू करने जा रही है। इंडस्ट्री की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए सरकार इस संबंध में नया नोटिफिकेशन जारी करेगी। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसओपीए) के अनुसार सरकार ने खाद्य तेल पैकिंग क्वांटिटी को फिर से मानकीकृत करने की सिफारिश मंजूर कर ली है। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद सभी कंपनियों और पैकर्स को निर्धारित पैक साइज़ और वजन में ही खाद्य तेल की बिक्री करनी होगी। जानकारी के मुताबिक जनवरी 2023 में खाद्य तेल पैकिंग के स्टैंडर्ड नियम हटाए गए थे, जिसके बाद बाजार में 875 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे अलग-अलग पैक आकार आने लगे थे। इससे ग्राहकों को कीमतों की तुलना करने में परेशानी होती थी। अब नए नियम लागू होने के बाद बाजार में केवल तय मानक पैक साइज़ में ही तेल उपलब्ध होगा। सरकार इंडस्ट्री को नए नियमों को लागू करने के लिए 90 दिनों का ट्रांजिशन समय भी देगी।

उपभोक्ताओं और उद्योग दोनों को होगा फायदा

बाजार जानकार और तेल ब्रोकर रमाकांत तिवारी ने इस फैसले को उपभोक्ताओं और खाद्य तेल उद्योग दोनों के लिए बड़ी राहत बताया है। उनका कहना है कि पैकिंग में एकरूपता आने से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्राहकों को कीमत समझने व तुलना करने में आसानी होगी। उन्होंने कहाकि नए नियम लागू होने के बाद भ्रामक पैक साइज खत्म होंगे और उपभोक्ताओं को वास्तविक कीमत का बेहतर अंदाजा मिल सकेगा। साथ ही, बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहाकि जनवरी 2023 में सरकार ने निर्माताओं को लचीलापन देने के लिए निश्चित पैक आकारों की बाध्यता खत्म कर दी थी। इसका फायदा उठाकर कई कंपनियों ने 800एमएल , 810एमएल , 850एमएल या 870एमएल जैसे अजीबो-गरीब पैक साइज निकालने शुरू कर दिए। ये गैर-मानक पैकेट देखने में बिल्कुल 1 लीटर या 1 किलो के लगते हैं, लेकिन इनमें तेल कम होता है। इससे ग्राहकों को लगता है कि वे सस्ता तेल खरीद रहे हैं, जबकि असल में उन्हें प्रति लीटर ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है । उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेल उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र की पांच अग्रणी संस्थाओं द्वारा उपभोक्ता मामले विभाग को पहले एक संयुक्त ज्ञापन दिया गया था और उसमें बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं के साथ होने वाली धोखाधड़ी की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया था।

युद्ध की आंच से महंगे हुए ड्राईफ्रूट्स 25 फीसदी तक बढ़ीं कीमतें

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों के कारण भारत के ड्राईफ्रूट बाजार पर गहरा असर पड़ा है। ईरान और अफगानिस्तान से होने वाली पिस्ता, अंजीर, खजूर और दूसरे ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसके परिणामस्वरूप कीमतें तेजी से बढ़ रही है। कारोबारियों का कहना है कि यदि यही हालात बने रहे तो त्योहारों के सीजन में ग्राहकों को ड्राई फ्रूट काफी महंगे दाम पर खरीदने पड़ सकते हैं। पिस्ता की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत और अंजीर की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। कुल मिलाकर कई प्रमुख ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। व्यापारियों के अनुसार भारत में बड़ी मात्रा में ड्राई फ्रूट्स ईरान और अफगानिस्तान से आयात किए जाते हैं। युद्ध के चलते समुद्री मार्ग और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। भोपाल के कारोबारियों का कहना है कि युद्ध शुरू होने से पहले 31 मई तक ईरानी पिस्ता करीब 1400 रुपए प्रति किलो बिक रहा था, जो अब बढ़कर 2000 रुपए प्रति किलो पहुंच गया है। इसी तरह बादाम 2200 रुपए से बढ़कर 3400 रुपए प्रति किलो, जबकि केसर 1.80 लाख रुपए से बढ़कर 2.10 लाख रुपए प्रति किलो हो गया है। सेंधा नमक के दाम भी 14 रुपए से बढ़कर 35 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। आने वाले महीनों में सावन, रक्षाबंधन, गणेश उत्सव, नवरात्र और दिवाली जैसे त्योहारों के कारण ड्राई फ्रूट्स की मांग बढ़ने की संभावना है। व्यापारी अपूर्व पवैया का मानना है कि यदि आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो कीमतों में और तेजी आ सकती है। बाजार जानकारों के अनुसार युद्ध के कारण शिपिंग, बीमा और फ्रेट चार्ज बढ़ गए हैं, जो माल पहले कुछ ही दिनों में पहुंच जाता था, अब उसे आने में कई गुना अधिक समय लग रहा है क्योंकि कई समुद्री रास्ते और बंदरगाह प्रभावित हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि असली चुनौती अगस्त-सितंबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन के दौरान आएगी। यदि तब तक सप्लाई सामान्य नहीं हुई, तो बढ़ती मांग के कारण कीमतें और भी बढ़ सकती हैं, जिससे मांग में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। कारोबारियों के अनुसार, यदि तनाव आज समाप्त भी हो जाए, तो सप्लाई चेन को पूरी तरह सामान्य होने में 3 से 6 महीने का समय लग सकता है।

अब महंगाई का एक और बड़ा झटका

महंगा हुआ ब्रेकफास्ट: दूध के बाद ब्रेड की कीमतें बढ़ी

भोपाल। पेट्रोल- डीजल के बढ़ते दाम से आम आदमी अभी जूझ ही रहा है कि अब महंगाई ने एक और बड़ा झटका दे दिया है। सुबह का नाश्ता महंगा हो चुका है। लोगों के दिन की शुरुआत ब्रेड, पाव और सैंडविच के साथ होती है, लेकिन अब हर तरह के ब्रेड पर मूल्यवृद्धि दर्ज हो गई है। जिससे आम परिवारों की जेब पर असर पड़ा है। बेकरी मालिकों ने बताया कि ब्रेड की कीमत बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। इनमें प्लास्टिक पैकेजिंग के खर्च, ट्रांसपोर्टेशन की लागत, आयातित कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोर स्थिति शामिल हैं। इन सभी कारकों के कारण उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की वजह से भाड़ा काफी बढ़ गया है। ट्रांसपोर्टेशन खर्च बढ़ने और ब्रेड में इस्तेमाल होने वाले प्रिजर्वेटिव्स के महंगे होने से ब्रेड निर्माताओं की लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है, जिसे अब ग्राहकों से वसूला जा रहा है। बेकरी मालिकों के मुताबिक प्लास्टिक पैकेजिंग के खर्च, ट्रांसपोर्टेशन की लागत, आयातित कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और रुपए के कमजोर होने जैसे कारणों से उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा दूध की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी ने खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर और दबाव डाल दिया है। दुकानदार हरशेन्द्र महाजन के अनुसार यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे माल की कीमतें और परिवहन लागत में बढ़ोतरी जारी रही, तो आने वाले महीनों में ब्रेड और अन्य बेकरी उत्पादों की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

सोनालीका ने मई में की अब तक की सर्वाधिक 17,204 ट्रैक्टर की बिक्री

एजेंसी.नई दिल्ली

सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2027 में अपनी रफ्तार को और तेज करते हुए मई की अब तक की सर्वाधिक 17,204 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है और 21 फीसदी वृद्धि दर्ज करते हुए उद्योग के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। सोनालीका की यह नई उपलब्धि किसानों को जीतने का दम देने पर ब्रांड के निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है और भारत को कृषि महाशक्ति बनाने की दिशा में कंपनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत करती है। कंपनी ने भारत में आगामी खरीफ सीजन की तैयारी के उपलक्ष्य में 17,029 ट्रैक्टरों का अब तक का सर्वाधिक मासिक उत्पादन भी दर्ज किया है।

रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमने मई की अब तक की सर्वाधिक 17,204 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है, जो कुल 21 फीसदी वृद्धि द्वारा संभव हुई और हमने उद्योग के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है।

होम क्रेडिट ने भविष्य सुरक्षित रखने के लिए बताए बचत के आसान उपाय

नई दिल्ली। होम क्रेडिट इंडिया ने लोगों को फिजूलखर्ची से बचने और बेहतर वित्तीय भविष्य बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। कंपनी ने लोगों की वित्तीय स्थिति को एक स्पेंड-ओ-मीटर की तरह समझा जा सकता है, जो यह बताता है कि कमाई कितनी तेजी से खर्च हो रही है। यदि खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा जाए तो यह धीरे-धीरे बचत और वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकता है। कंपनी ने फिजूलखर्ची के 3 बड़े कारण पहला बिना सोचे-समझे खरीदारी, दूसरा- भावनाओं में आकर खर्च करना और तीसरा कारण लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन है। विशेषज्ञों का मानना है कि छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव करके लोग न केवल फिजूलखर्ची पर नियंत्रण पा सकते हैं, बल्कि लंबे समय में मजबूत बचत और बेहतर आर्थिक सुरक्षा भी हासिल कर सकते हैं।

रॉयल एनफील्ड ने हिमालयन बेस कैंप लद्दाख एडिशन की घोषणा की

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने अपने हिमालयन बेस कैंप, लद्दाख एडिशन के आयोजन की घोषणा की है। यह तीन दिवसीय एडवेंचर ईवेंट 4 से 6 सितंबर 2026 तक लेह, लद्दाख में 11,480 फीट की ऊंचाई पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 मई 2026 से शुरू हो चुकी है। कंपनी के अनुसार यह पारंपरिक मोटरसाइकिल फेस्टिवल से अलग एक अनूठा आयोजन होगा, जिसमें राइडर्स, खोजकर्ता, पर्वतारोही, ओवरलैंडर्स और एडवेंचर प्रेमी एक मंच पर एकत्रित होंगे। आयोजन का उद्देश्य एडवेंचर को केवल एक गतिविधि नहीं बल्कि जीवनशैली के रूप में प्रस्तुत करना है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम को एक्सेसिबल एडवेंचर की अवधारणा के तहत तैयार किया गया है, जहां प्रतिभागी केवल दर्शक नहीं बल्कि सक्रिय भागीदार होंगे।

ब्लैक बॉक्स ने किया आयोनोस के साथ गठबंधन

मुंबई। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इंटीग्रेटर ब्लैक बॉक्स लिमिटेडऔर एआई-नेटिव एंटरप्राइस टेक्नोलॉजी कंपनी आयोनोस ने उपक्रमों को ढांचागत निर्माण से लेकर मापने योग्य कारोबारी परिणाम तक में एआई परिवर्तन में तेजी लाने में मदद के लिए एक रणनीतिक गठबंधन की आज घोषणा की। इस गठबंधन के तहत डेटा सेंटर्स, नेटवर्क कनेक्टिविटी, आधुनिक कार्यस्थल सॉल्यूशंस और मैनेज्ड सर्विसेस समेत ब्लैक बॉक्स की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में विशेषज्ञता का आयोनोस के एप्लायड एआई प्लेटफॉर्मों और डोमेन आधारित सॉल्यूशंस के मेल से संगठन प्रत्येक चरण में सुरक्षा और लचीलेपन के साथ एआई का निर्माण, तैनाती और प्रबंधन कर सकेंगे।

ब्लेंडर्स प्राइड ने पेश किया 'रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज'

जयपुर। ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने 'ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज' नामक एक नए सांस्कृतिक मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य फ्लेवरको केवल स्वाद तक सीमित न रखते हुए उसे सभी इंद्रियोंसे महसूस किए जाने वाले अनुभव में बदलना है। 'रिजर्व्ड इन एवरी सेंस' की अवधारणा पर आधारित यह मंचफ्लेवर को एक बहुआयामी यात्रा के रूप में प्रस्तुत करता है जिसे केवल चखा ही नहीं, बल्कि देखा, सुना, महसूस और अनुभव भी किया जा सकता है।

सैमसंग का ग्रीन गोल्ड टीवी लांच

हैदराबाद। सैमसंग टीवी प्लस पर ग्रीन गोल्ड टीवी लांच किया। सैमसंग टीवी घरों के लिए उपलब्ध यह चैनल प्लेटफॉर्म पर किड्स जॉनर में स्थित है, जो परिवारों के लिए बिना किसी सब्सक्रिप्शन या लॉगिन की आवश्यकता के सहज, हमेशा चालू रहने वाला व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। यह कदम कनेक्टेड टीवी स्पेस में ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें माइटी राजू, सुपर भीम, कृष्ण बालराम, कृष्ण, चोर पुलिस और लव कुश जैसे लोकप्रिय टाइटल्स की क्यूरेटेड लाइन-अप को सीधे घर की स्क्रींस पर लाया गया है।

स्टेरिस फार्मा का एलागोलक्स रेंज लांच

इंदौर। दवा कंपनी स्टेरिस फार्मा ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी विशेष दवाओं की अपनी श्रृंखला का विस्तार करते हुए इंदौर बाजार में एलागोलक्स 150 मिलीग्राम और एलागोलक्स 200 मिलीग्राम (एलागोलिक्स टैबलेट) लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि यह कदम महिलाओं को उन्नत उपचार विकल्प उपलब्ध कराने और विशेष चिकित्सीय जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी के अनुसार150 मिलीग्राम और 200 मिलीग्राम के दो अलग-अलग वेरिएंट उपलब्ध कराकर कंपनी चिकित्सकों को मरीजों की आवश्यकता के अनुसार उपचार में अधिक लचीलापन प्रदान करना चाहती है।

भाभा विश्वविद्यालय में 'बेसिक्स ऑफ डिसर्टेशन' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

सच संवाददाता || भोपाल।

भाभा विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन विभाग द्वारा बेसिक्स ऑफ डिसर्टेशन विषय पर एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. हेमलता बघेल को आमंत्रित किया गया। अपने व्याख्यान में डॉ. हेमलता बघेल ने शोध कार्य (रिसर्च) के महत्व, उद्देश्यों, परिकल्पनाओं, चरों (वेरिएबल्स) तथा शोध में उपयोग होने वाले टूल्स एवं उपकरणों के निर्माण की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जटिल विषयों को सरल और सहज भाषा में समझाते हुए विद्यार्थियों को शोध लेखन और डिसर्टेशन तैयार करने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। वेबीनार विशेष रूप से एम.एड. के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी और ज्ञानवर्धक साबित हुआ।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. लता मालवीय ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डीन डॉ. कविता पड़ेगांवकर, डायरेक्टर डॉ. दीपा बक्शी, प्रो-वीसी डॉ. भारती एस. तनकर तथा सीईओ प्रसाद पिल्लई ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। वेबीनार में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता कर शोध संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

पोर्टल में सेंध लगाने की कोशिश करने वालों पर सरकारी साइबर एजेंसियों की पैनी नजर, होगी सख्त कार्रवाई

सच संवाददाता || भोपाल।

सीबीएसई के ओएसएम री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर हुए साइबर हमलों को लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसियां इस तरह की हरकतों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। इनमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र समेत अन्य एजेंसियां शामिल हैं। सरकार ने साफ कहा है कि हमले के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पोर्टल पर 2 मिनट में हुए करीब 15 लाख हिट

दरअसल, हाल ही में सीबीएसई ने जानकारी दी थी कि री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर भारी ट्रैफिक के बीच साइबर अटैक की कोशिश हुई। बोर्ड के मुताबिक केवल 2 मिनट के भीतर पोर्टल पर करीब 15 लाख हिट दर्ज किए गए थे। इसके अलावा 1 लाख से ज्यादा अनधिकृत फाइल एक्सेस की कोशिशें भी सामने आई थीं।

8 हजार से अधिक यूजर्स को सपोर्ट कर रहा पोर्टल

सीबीएसई के अनुसार उस समय पोर्टल 8 हजार से अधिक ष्छ्ठ्ष्ह्हद्दठ्ठ ह्यद्गह्म्य को सपोर्ट कर रहा था और हजारों छात्र सफलतापूर्वक अपने आवेदन जमा कर रहे थे। बोर्ड ने छात्रों के फीडबैक के आधार पर सेशन टाइम लिमिट बढ़ाने सहित कई तकनीकी सुधार भी किए थे। अब केंद्र सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की तकनीकी जांच और निगरानी कर रही हैं ताकि पोर्टल को सुरक्षित रखा जा सके और छात्रों की आवेदन प्रक्रिया प्रभावित न हो। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हटाए गए सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव

उधर केंद्र सरकार ने ओएसएम विवाद पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सीबीएसई के चेरयमेन और सचिव को हटा दिया है। साथ ही सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग सेवाओं की खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक विशेष जांच समिति का गठन किया गया है। सूत्रों के अनुसार यह जांच समिति ओएसएम सेवाओं की खरीद, टेंडर प्रक्रिया और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करेगी। जारी आदेश के अनुसार इस जांच समिति की अध्यक्षता कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस. राधा चौहान करेंगी। सरकार ने जांच समिति को अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

बिरला कार्पोरेशन ने आयोजित किया चार दिवसीय समर कैंप

कैंप में बच्चों को विभिन्न रचनात्मक, शैक्षणिक और मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा

सच संवाददाता || भोपाल।

बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड की इकाई सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के तहत शासकीय माध्यमिक विद्यालय नैना में चार दिवसीय समर कैंप का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम प्रजायत्न संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भाषाई, गणितीय एवं अभिव्यक्ति संबंधी कौशलों का विकास करना था। कंपनी के प्रेसिडेंट कौशल मिश्रा के मार्गदर्शन में संस्था द्वारा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आयोजित समर कैंप के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान किए गए।

टीटी नगर स्टेडियम में दौड़ेगी फिटनेस, जुनून और ऊर्जा की नई रफ्तार

रबिन्द्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा भोपाल में पहली बार होगा वेलोसिटी नाइट रन 2026 का आयोजन

सच संवाददाता || भोपाल।

रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा भोपाल में पहली बार वेलोसिटी नाइट रन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह अनोखा नाइट रन 6 जून 2026 को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित होगा, जिसमें शहर सहित प्रदेशभर के रनर्स, फिटनेस प्रेमी एवं युवा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में फिटनेस, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करना है। रात्रिकालीन वातावरण में आयोजित होने वाला यह रन प्रतिभागियों को स्टेडियम की रोशनी के बीच ऊर्जा, उत्साह और रोमांच से भरपूर अनुभव प्रदान करेगा। प्रतियोगिता में 1 घंटे, 2 घंटे एवं 3 घंटे की विभिन्न श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें प्रतिभागी अपनी क्षमता के अनुसार हिस्सा ले सकेंगे। सभी प्रतिभागी रन शुरू होने के समय से 30 मिनट पूर्व रिपोर्टिंग करें। लेट एंट्री मान्य नहीं होगी। रन के दौरान प्रतिभागियों के लिए विभिन्न रंगों की ट्रैक लेन निर्धारित की गई हैं, ताकि प्रतियोगिता का संचालन व्यवस्थित एवं सुरक्षित रूप से किया जा सके। स्टेडियम परिसर में विशेष फिटनेस एवं रनिंग जोन भी तैयार किए जाएंगे।

इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि वेलोसिटी नाइट रन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की एक प्रेरणादायी पहल है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर आत्मविश्वास एवं अनुशासन विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों एवं युवाओं के समग्र विकास के लिए खेल, स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े आयोजनों को प्रोत्साहित करता रहा है। वेलोसिटी नाइट रन 2026 युवाओं को फिटनेस के साथ सकारात्मक ऊर्जा एवं टीम स्पिरिट का अनुभव प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अधिक से अधिक युवाओं, खिलाड़ियों एवं फिटनेस प्रेमियों से इस विशेष नाइट रन में सहभागिता करने की अपील की है।

एनएचडीसी में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सच संवाददाता.भोपाल

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में एनएचडीसी निगम मुख्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण को प्रोत्साहित करना रहा। पखवाड़े का शुभारंभ एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक ओम प्रकाश ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर किया। इस दौरान सभी ने अपने कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने का संकल्प लिया।

अभियान के तहत कार्यालय के कमरों, गलियारों, रिकॉर्ड रूम और अन्य कार्यस्थलों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रबंध निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने वृक्षारोपण भी किया। इसके अलावा सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक और कचरा प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान आंगनवाड़ियों, विद्यालयों और मलिन बस्तियों में स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मन्नत सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। वहीं, आउटसोर्स सफाईकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वच्छता किट वितरित की गई।

अभियान के अंतर्गत महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन के सुरक्षित निस्तारण का प्रशिक्षण देने के साथ निःशुल्क वितरण किया गया। वहीं भोपाल बोट क्लब पर स्थानीय नागरिकों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। एनएचडीसी लिमिटेड ने कहा कि वह स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संस्था का मानना है कि स्वच्छता केवल एक पखवाड़े तक सीमित न रहकर लोगों की जीवनशैली और दैनिक कार्य संस्कृति का हिस्सा बननी चाहिए। यह अभियान स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

भोजपाल प्रतिभा सम्मान समारोह में 400 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

सच संवाददाता.भोपाल

जन शिक्षा स्वास्थ्य कल्याण समिति द्वारा जिले के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंगलवार को हिंदी भवन में 'भोजपाल प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 400 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मान प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी और आत्मविश्वास से खिल उठे। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब एक दिव्यांग छात्रा को उसकी विशेष उपलब्धि और संघर्षपूर्ण सफलता के लिए प्रशस्ति पत्र के साथ 5 हजार रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया।

उपस्थित लोगों ने छात्रा की उपलब्धि पर जोरदार तालियां बजाकर उसका उत्साहवर्धन किया।

समिति के अध्यक्ष नितिन कुमार गुप्ता ने बताया कि सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के ऐसे विद्यार्थियों को शामिल किया गया, जिन्होंने 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य मेधावी छात्रों का मनोबल बढ़ाना और अन्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। समिति ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में शहर की अनेक गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। मुख्य अतिथियों में मालती रॉय, भगवानदास सबनानी, गोविंद गोयल, मुकेश गोयल, डॉ. अंकुर अग्रवाल तथा प्रतीकेश्वर महाराज शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने, शिक्षा को जीवन का आधार बनाने और देश का नाम रोशन करने का संदेश दिया। वहीं अभिभावकों ने भी समिति की इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

एयरबीएनबी रिपोर्ट : जेन जेड पीढ़ी दे रही छोटी यात्राओं को तरजीह

नई दिल्ली। भारत की जेन जेड पीढ़ी यात्रा के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदल रही है। साल में एक लंबी छुट्टी मनाने के बजाय युवा अब अपनी पसंद, सुविधा और अचानक बनने वाले प्लान के अनुसार कई छोटी यात्राएं करना अधिक पसंद कर रहे हैं। यह जानकारी एयरबीएनबी की नई रिपोर्ट च्व्नेवर द सेमर् द न्यू रूल्स ऑफ जेन जेड ट्रैवल इन इंडियाज्ज सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड के लिए यात्रा अब केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह उनकी पहचान, रुचियों और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण जरिया बन चुकी है। युवा यात्री अपनी यात्राओं को अधिक उद्देश्यपूर्ण और व्यक्तिगत अनुभव के रूप में देख रहे हैं।

साल में एक लंबी छुट्टी का चलन हो रहा कम

रिपोर्ट में बताया गया है कि पहले भारतीय परिवारों में साल में एक बड़ी छुट्टी की योजना बनाने और उसके लिए पहले से बचत करने की परंपरा आम थी। लेकिन जेन जेड इस सोच को बदल रही है। सर्वेक्षण के अनुसार, 10 में से 7 जेन जेड यात्री साल में एक लंबी छुट्टी की बजाय तीन छोटी यात्राएं करना पसंद करते हैं। वहीं, 87 प्रतिशत युवा एक सप्ताह से कम अवधि की यात्राओं को प्राथमिकता देते हैं।

छोटी यात्राओं की मांग में तेज बढ़ोतरी

एयरबीएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, गर्मियों के दौरान भारतीय जेन जेड उपयोगकर्ताओं द्वारा की गई यात्रा खोजों में साल-दर-साल 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, 2 से 6 रातों तक की छोटी यात्राएं सबसे तेजी से लोकप्रिय होने वाला ट्रैवल फॉर्मेट बनकर उभरी हैं। घरेलू पर्यटन के लिए इस श्रेणी में लगभग 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरणः आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंडः आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभः रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथिः पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करेंः केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरणः नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंडः सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथिः 20-12-2026
- आवेदन कैसे करेंः यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरणः नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंडः आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभः रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथिः 15-09-2026
- आवेदन कैसे करेंः केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27

- विवरणः इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27 बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय छात्रों को प्रदान की जा रही है, जो विश्वविद्यालय में निर्धारित पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं।
- मानदंडः आवेदन उन भारतीय छात्रों के लिए जारी है जिनके पास बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कैंपस में सितंबर 2026 से शुरू होने वाले पूर्णकालिक पूर्वस्नातक कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव प्राप्त है। आवेदकों को विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना आवश्यक है और उन्हें नामांकन प्राप्त होने पर 31 अक्टूबर तक अपनी कुल शिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें विश्वविद्यालय के किसी एक स्थानीय प्रतिनिधि के माध्यम से पंजीकृत और आवेदन करना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः एक वर्ष की शिक्षण शुल्क हेतु 5,000
- अंतिम तिथिः 30-06-2026
- आवेदन कैसे करेंः विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/IHFS2
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/india-high-fliers-undergraduate-scholarships-2026-271777356352.png

आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड 2026

- विवरणः इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा पूर्वस्नातक इंजीनियरिंग छात्रों को अपनी रचनात्मकता, नवाचार और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य भारत में उभरती हुई इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को पहचानना और उनका सहयोग करना है, ताकि वे उत्कृष्टता हासिल कर सकें।
- मानदंडः यह स्कॉलरशिप एआईसीटीई/यूजीसी-स्वीकृत संस्थानों के किसी भी वर्ष में अध्ययनरत सभी ब्रांचों के पूर्णकालिक यूजी इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों ने अपने सभी क्रेडिट पाठ्यक्रम एक ही प्रयास में उत्तीर्ण किए हों और उनके कुल अंक न्यूनतम 60 प्रतिशत (या 10-पॉइंट स्केल पर 6.0 ष्टत्रक्क) हों। इस छात्रवृत्ति हेतु कोई आयु सीमा लागू नहीं है।
- इनाम/लाभः रुपए 20,00,000 मूल्य राशि की छात्रवृत्ति
- अंतिम तिथिः 15-06-2026
- आवेदन कैसे करेंः केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/IET6
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/iet-india-scholarship-award-20261777350174.png

कांग्रेस की बैठक में दिया एकजुटता का संदेश

बैतूल। कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका देने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बैतूल में कांग्रेस की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय सिंह राहुल भैया ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेसियों को एकजुट कर गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना ही पार्टी का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है और कांग्रेस की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता ही हैं। अजय सिंह राहुल भैया ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता के बीच और अधिक सक्रियता के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा जब हर कार्यकर्ता को सम्मान और जिम्मेदारी मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। बैतूल प्रवास के दौरान अजय सिंह राहुल भैया सबसे पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा के निवास पहुंचे। यहां उनके साथ सुखदेव पांसे, समीर खान, डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, लोकेश पगारिया, लवलेश बब्बा राठौर, हर्षवर्धन धोटे, मोनू बड़ोनिया, मनोज आहूजा, राजकुमार चौबे, संजय सरदार, प्रीतेश गंगारे और जितेन्द्र इवने उपस्थित रहे। स्वल्पाहार के दौरान संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई।

वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई रणनीतिक चर्चा

इसके बाद अजय सिंह राहुल भैया पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे के बैतूल स्थित निवास पहुंचे, जहां निलय डागा, अनुराग मिश्रा, मनोज मालवे, नवनीत मालवीय, हेमंत वागद्रे, नितीन देशमुख, हेमंत पगारिया, नरेन्द्र मिश्रा, नीतिन गाडरे, किशोर माथनकर, अरुण यादव और किशोर परिहार सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ चाय पर चर्चा हुई। इस दौरान संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भूमिका और जनसंपर्क गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। चाय पर चर्चा के बाद अजय सिंह राहुल भैया सीधे कांग्रेस कार्यालय बैतूल गंज पहुंचे, जहां उन्होंने जिलेभर से आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन महामंत्री ब्रजभूषण पांडे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कांग्रेस प्रवक्ता लवलेश बब्बा राठौर ने किया।

बूथ स्तर का सामंजस्य ही सफलता की कुंजी

जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा ने कहा कि बूथ स्तर तक सामंजस्य और मजबूत संगठन ही कांग्रेस की असली ताकत है।

युवक से स्मैक जब्त

शिवपुरी। फिजिकल थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी के खिलाफ जोरदार प्रहार किया है। थाना प्रभारी फिजीकल टीआई कृपाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने करवला पुलिया के पास से एक तस्कर को रंगे हाथों दबोचकर उसके कब्जे से 106 ग्राम स्मैक, 52 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सहित कुल 28 लाख 2 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। फिजीकल टीआई कृपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मूले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के निर्देशन में नशे के कारोबारियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 1 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति करवला पुलिया के पास स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रामनिवास उर्फ करुआ रावत उम्र 35 वर्ष पुत्र सरदार सिंह रावत निवासी ग्राम पाटई, थाना आरोन, जिला ग्वालियर बताया।

सच संक्षेप

छात्रा का सुयश

हरपालपुर। छतरपुर जिले के हरपालपुर नगर की होनहार बेटी संस्कृति गुप्ता ने जेईई एडवांस 2026 परीक्षा में

ऑल इंडिया रैंक 3430 प्राप्त की और मेंस परीक्षा में 99.75 प्रतिशत अंक हासिल कर नगर, जिले और पूरे बुंदेलखंड का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर संस्कृति ने यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।संस्कृति ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हरपालपुर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय, नौगांव से 10वीं तथा जवाहर नवोदय विद्यालय, बड़वानी से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की। विशेष बात यह है कि उन्होंने 12वीं की पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय में अवंती फेलो के मार्गदर्शन में स्वयं तैयारी कर छ्ब्श्ब्श्व एडवांस जैसी कठिन परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक हासिल की।

योग प्रशिक्षण अभियान

बैतूल। आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा आयुष विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी द्वारा 100 दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। महाविद्यालय के अध्यक्ष गणेश मालवीय, कोषाध्यक्ष संतोष पाल एवं प्राचार्य डॉ. विजय माने के मार्गदर्शन तथा उपप्राचार्य डॉ. राजकुमार मिश्रा द्वारा तैयार की गई रूपरेखा के तहत जिलेभर में योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंगलवार 2 जून को महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. हिमांशु मालवीय तथा इंटरनी ललित, हेमंत, प्राची और मयूरी ने बैतूल के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गंज क्षेत्र सहित विभिन्न इलाकों में योग प्रशिक्षण कराया। इसके साथ ही जिले के विभिन्न गांवों और स्थानों पर पहुंचकर लोगों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि योग के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और निरोगी जीवन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यह नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर 21 जून 2026 तक बैतूल के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर 7 को

शिवपुरी। मॉ राज राजेश्वरी दरबार उत्सव समिति द्वारा लगाये जाने वाले निश्शुल्क चिकित्सा शिविरो की कड़ी में आने वाली 07 जून रविवार को पुन एक दिवसीय निश्शुल्क चिकित्सा शिविर स्थानीय जिला चिकित्सालय परिसर स्थित कल्याणी धर्मशाला में प्रात 10 बजे से सायंकाल 05 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर के बारे में जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष कपिल सहगल एवं सचिव तरूण अग्रवाल ने बताया कि मॉं राज राजेश्वरी दरबार उत्सव समिति द्वारा आयोजित होने वाले इस शिविर में दिल्ली से पारस हॉस्पिटल, गुडग़ॉव के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुशांत श्रीवास्तव पधार रहे हैं जो हृदय की बायपास सर्जरी, वॉल्व रिप्लेसमेंट, नशो की ब्लॉकेज, चलते हुए थकान, अनियमित ब्लडप्रेशर, पेस मेकर आदि हृदय संबंधी रोगो की जॉच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे, साथ ही शिविर में न्यूरो सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. पुनीत राणा भी आ रहे है जो ब्रेन और रीढ़ की हड्डी की समस्याओं, मिर्गी, ब्रेन ट्यूमर, साईटीका आदि न्यूरोलॉजिकल रोगों का परीक्षण कर मरीजों का इलाज करेंगे। जिला मुख्यालय के स्थानीय चिकित्सकों में डॉ.रत्नेश जैन एंव डॉ.दिनेश गोयल भी शिविर में मरीजों का इलाज कर अपनी सेवाऐं प्रदान करेंगे।

शस्त्र लायसेंस निलंबित

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होने से आयुध अधिनियम 1959 के तहत शस्त्र अनुज्ञप्ति निलंबित की गई है। जिले के थाना अमोला के ग्राम छान निवासी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी लखन सिंह तोमर पुत्र रघुवीर सिंह तोमर के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होने से शस्त्र अनुज्ञप्ति क्रमांक 354/2004/11/डीएम/एसपीआई को निलंबित किया है। थाना करैरा के ग्राम देहरेटा सानी निवासी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी शिव सिंह रावत पुत्र मायाराम रावत का शस्त्र अनुज्ञप्ति क्रमांक 220/2023/111/डीएम/एसपीआई को निलंबित किया है। इसी प्रकार थाना अमोला के ग्राम नयागांव निवासी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी अरविंद सिंह तोमर पुत्र अनूप सिंह तोमर के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होने से आयुध अधिनियम के तहत शस्त्र अनुज्ञप्ति क्रमांक 168/2004/111/डीएम/एसपीआई को निलंबित किया है।

विधिक जागरूकता शिविर

शिवपुरी। जिला खेल परिसर में मंगलवार को वॉलीबॉल कोच अज़हर खान के संयोजन में शहीदों के बलिदान से संविधान के सम्मान तक विषय पर एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में चीफ एलएडीसी आलोक श्रीवास्तव, पवन कुमार चंदेल और जिला खेल अधिकारी के.के. खरे मौजूद रहे। वक्ताओं ने जोर दिया कि अनुशासन और विधिक ज्ञान ही एक खिलाड़ी को जिम्मेदार नागरिक बनाता है। इस दौरान सामाजिक जागरूकता के लिए पत्रकार सोहेल खान का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एसएएफ बटालियन की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ी अफज़ल खान, सी.बी. पांडेय सहित अनेक युवा प्रतिभाएं उपस्थित रहीं।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

शाजापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। कर्मचारी जिले के जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध आंदोलन के तहत कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में की गई घोषणाओं के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले चल रहे इस आंदोलन में कर्मचारियों ने नियमित कर्मचारियों के समान वेतन एवं भत्ते, वार्षिक वेतनवृद्धि, सेवा सुरक्षा, अवकाश सुविधाएं तथा वेतन विसंगतियों के निराकरण की मांग उठाई है। उनका कहना है कि लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। संघ के अनुसार आंदोलन की शुरुआत काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन से की गई थी। इसके बाद अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी सौंपे गए। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने के कारण अब कार्य बहिष्कार किया जा रहा है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है।

रोजगार मेला 6 को

बैतूल। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एमपीएसआरएलएम बैतूल एवं प्रदान संस्था के समन्वय से 6 जून को जिला पंचायत बैतूल परिसर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में ट्राइडेंट बुधनी कंपनी द्वारा जिले के पात्र युवाओं का चयन किया जाएगा। जिला परियोजना प्रबंधक सतीश पंवार ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया फ्रेशर युवाओं के लिए होगी। चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। कार्य अवधि प्रतिदिन 8 घंटे निर्धारित की गई है।

ट्रक ने लोडिंग ऑटो को मारी टक्कर

शाजापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर एचपी बाबू पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह करीब 10 बजे एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे तीन पहिया लोडिंग ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक में कच्चे केले भरे हुए थे, जो सड़क पर बिखर गए। लोडिंग ऑटो रिक्शा में भरी ईंटें भी सड़क पर फैल गई। इस घटना से मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 पर तैनात प्रधान आरक्षक पवन शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत कार्य शुरू कराया और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया, जिससे मार्ग पर आवागमन सुचारु हो सका। जानकारी के अनुसार, कच्चे केले से भरा ट्रक इंदौर से ग्वालियर की ओर जा रहा था, जबकि लोडिंग आटो रिक्शा शाजापुर से पनवाड़ी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना में केवल वाहनों और सामान का नुकसान हुआ है।

बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

बनखेड़ी। जंगल पट्टी क्षेत्र के ग्राम धडाव पड़ाव में घरेलू प्रकाश लाइन (डीएलएफ) की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। गांव की दर्जनों महिलाओं एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से बनखेड़ी विद्युत विभाग पहुंचकर सहायक अभियंता (एई) को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र डीएलएफ लाइन उपलब्ध कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि धडाव पड़ाव में वर्षों से घरेलू बिजली लाइन का अभाव बना हुआ है, जिससे गांव का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पर्याप्त बिजली व्यवस्था नहीं होने के कारण पेयजल संकट गहराता जा रहा है, विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है तथा दैनिक जीवन से जुड़े अनेक कार्य बाधित हो रहे हैं।

महापौर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

कटनी। नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में आयोजित महापौर जनसुनवाई एक बार फिर नागरिकों के लिए राहत और विश्वास का केंद्र बनी। प्रात: 11 बजे से प्रारंभ हुई जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं एवं मांगें लेकर पहुंचे। इस दौरान निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहे, जिससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।जनसुनवाई के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं

संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने पेयजल, सफाई, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, राजस्व एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

समर कैंप का समापन

बैतूल। ब्रह्मकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा संचालित संगम प्रोजेक्ट का जिला स्तरीय शुभारंभ एवं 6 दिवसीय आवासीय समर कैंप का समापन समारोह स्थानीय सेवा केंद्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, टीआई अंजना धुर्वे, जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदरलाल कड़वे, जिला सीएससी प्रबंधक कमलेश रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू ने कहा कि यह संगम प्रोजेक्ट वर्तमान पीढ़ी और वरिष्ठजनों के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आज समाज को युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठजनों के अनुभव दोनों की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज का यह प्रयास दोनों पीढि?ों को जोड ?र संस्कार, अनुभव और जीवन मूल्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिससे परिवार और समाज अधिक सशक्त बन सकेगा।

मलेरिया निरोधक माह का शुभारंभ

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1 जून को मलेरिया निरोधक माह का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे द्वारा मलेरिया जागरूकता रथ को कार्यालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले में विभिन्न विकासखंडों के चयनित ग्रामों में भ्रमण करेगा। एक जून से 30 जून तक मलेरिया निरोधक माह के दौरान यह जागरूकता रथ ग्रामों में जाकर लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति सचेत करेगा। रथ द्वारा मलेरिया जागरूकता माह के दौरान मलेरिया से बचाव के साधनों से भली भांति अवगत कराया जाएगा, साथ ही मच्छरदानी के उपयोग के लिये लोगों को प्रेरित किया जाएगा। जागरूकता रथ में बुखार रोगियों के रक्त के नमून लेकर जांच एवं मलेरिया पाए जाने पर उपचार की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। मलेरिया जनजागरण रथ को रवाना करने के उपरांत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

फिट इंडिया क्लब का शुभारंभ

शिवपुरी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलों और फिटनेस को ब ?ावा देने के उद्देश्य से श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर शिवपुरी में स्थापित जिला स्तरीय फिट इंडिया क्लब (जिम) का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे।

जिला खेल परिसर के नवीन इंडोर हॉल में स्थापित फिट इंडिया क्लब के माध्यम से खिलाडियों एवं आमजन को आधुनिक इंडोर जिम तथा ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

निरीक्षण में गैर हाजिर मिले कर्मचारी

बैतूल। नगर पालिका में कार्यालयीन अनुशासन को लेकर सीएमओ नवनीत पाण्डेय ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाते हुए विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य व्यवस्था एवं कार्यालय संचालन की स्थिति का गहन परीक्षण किया गया। जांच के दौरान कुछ कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर सीएमओ ने नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण में सामने आई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए श्री पाण्डेय ने संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के एक दिवस के वेतन में कटौती किए जाने के आदेश जारी किए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने तथा अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्यालयीन व्यवस्था का सुचारु एवं अनुशासित होना आवश्यक है। श्री पाण्डेय ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि आगे में भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण लगातार किए जाएंगे।

धर्मयात्रा के स्वागत की तैयारी

शिवपुरी। विश्व जैन संगठन के द्वारा इस बार पुन दिल्ली से गिरनार जी तक के लिए 5100 किलोमीटर की भव्य गिरनार जी धर्म यात्रा 25 जून को दिल्ली से प्रारंभ की जा रही है जो कि ग्वालियर संभाग में 2 जुलाई की सुबह भिंड से मप्र में प्रवेश करेगी। 2 जुलाई की शाम मुरैना,3 जुलाई को सुबह ग्वालियर और 3 जुलाई की शाम को शिवपुरी में प्रवेश करेगी, श्री गिरनार जी धर्म यात्रा का शिवपुरी में सकल जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकालकर स्वागत किया जाएगा। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के द्वारा भी विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित श्री गिरनार जी धर्म यात्रा के साथ अबकी बार जैन समाज से भी एक लाख साधर्मीजनों को 20 जुलाई को गिरनार जी पहुंचने के लिए प्रेरणा दी जा रही है।

बदल रही बावड़ी- तालाबों की तस्वीर

शिवपुरी। मुख्यमंत्री के मंशानुसार प्रदेश भर में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 शिवपुरी जिले में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में यह अभियान अब एक सरकारी औपचारिकता से ऊपर उठकर व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। जिले की पारंपरिक जल संरचनाओं को सहेजने के लिए प्रशासन और आम जनता कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं।

कलेक्टर अर्पित वर्मा के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में नगर पालिका परिषद शिवपुरी द्वारा शहर के ऐतिहासिक कुओं, बावडियों और तालाबों को नया जीवन देने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ स्वयं जमीनी स्तर पर उतरकर गहरीकरण और साफ-सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासनिक सक्रियता के चलते कार्यों में न केवल पारदर्शिता आई है, बल्कि आम नागरिकों का मनोबल भी बढ़ा है।

अभियान का मुख्य लक्ष्य गिरते भू-जल स्तर को थामना और आने वाली पीढियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की पुरानी जल संरचनाओं का वैज्ञानिक पद्धति से गहरीकरण किया जा रहा है। नगर पालिका की टीमें सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से जलाशयों का कायाकल्प कर रही हैं। साथ ही, सीएमओ इशांक धाकड़ के नेतृत्व में वार्ड स्तर पर नागरिकों को वर्षा जल संचयन के प्रति निरंतर जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन के प्रयासों का परिणाम है कि अब लोग स्वयं आगे आकर श्रमदान कर रहे हैं। जिले में 30 जून 2026 तक चलने वाले इस विशेष महाभियान के तहत प्रतिदिन विभिन्न स्थानों पर जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास के जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने और उनके संरक्षण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि जल बचाएं, कल बचाएं का संकल्प साकार हो सके।

डीजल-पेट्रोल मूल्य वृद्धि का किया विरोध

शाजापुर। युवक कांग्रेस द्वारा पेट्रोल-डीजल के मूल्य में हो रही वृद्धि को लेकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंप पहुंचकर पहले तो जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जो भी वाहन चालक पेट्रोल भरवाने आए उन्हें मेलॉडी चॉकलेट बांटकर कहा "मेलॉडी खाओ, पेट्रोल भरवाओ"। इस विरोध के तरीके से वाहन चालक भी मुस्कुराते नजर आए।दरअसल पेट्रोल-डीजल के भाव पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं का घर चलाना मुश्किल हो रहा है। लोगों का कहना है कि हम घर चलाएं या गाड़ी। इसी को लेकर मंगलवार को युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने इस मूल्य वृद्धि के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता वीरेंद्रसिंह गोहिल ने कहा कि आज प्रदेश और केंद्र में बैठे लोग आम लोगों की जेब पर सीधे डाका डाल रहे हैं।

साइबर क्राइम पुलिस के लिए चुनौती, हर दिन कई मामले दर्ज, लाखों गंवा रहे लोग

साइबर अपराधियों के हर पल नए पैतरे, जाल से बचना है मुश्किल...!

राजधानी में साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। मिसरोद इलाके में एक व्यक्ति से बिजली बिल अपडेट कराने के नाम पर करीब 1.90 लाख रुपए की ठगी कर ली गई, जबकि एक महिला और उसकी बहनों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर 5.60 लाख रुपए हड़प लिए गए। इधर, रिटायर्ड डिप्टी महिला डायरेक्टर से चार धाम यात्रा पैकेज बुक करने के नाम पर 1.90 लाख रुपए ठग लिए गए। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने इन मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली बिल अपडेट कराने और नौकरी का झांसा देकर 7.50 लाख रुपए ठगे

भोपाल

पुलिस के अनुसार, मधुक कुमार सागर रॉयल कॉलोनी मिसरोद के बी ब्लॉक में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि पिछले माह उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप से एक संदेश प्राप्त हुआ था। संदेश में खुद को बिजली विभाग का प्रतिनिधि बताते हुए कहा गया था कि उनका बिजली बिल अपडेट नहीं है। यदि तत्काल प्रक्रिया पूरी नहीं की गई तो उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा।

मैसेज के साथ एक मोबाइल नंबर भी भेजा गया था और उस पर संपर्क करने कहा गया था।

कनेक्शन कटने की आशंका के चलते मधुक कुमार ने बताए नंबर पर फोन कर लिया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने उन्हें बिल अपडेट करने की प्रक्रिया बताने के नाम पर एक मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करवाई। इसके बाद एप खोलने और सभी आवश्यक परमिशन को स्वीकृति देने के लिए कहा गया।

मधुक ने बताए अनुसार सभी निर्देशों का पालन कर लिया। कुछ समय बाद उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 1 लाख 90 हजार रुपए निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिटायर्ड डिप्टी महिला डायरेक्टर से चार धाम यात्रा पैकेज बुक करने के नाम पर खाते से ठगों ने निकाले 1.90 लाख रुपए

भोपाल। अवधपुरी निवासी लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) की रिटायर्ड डिप्टी महिला डायरेक्टर से चार धाम यात्रा के नाम पर साइबर जालसाजों ने 1.90 लाख की ठगी कर दी। फेसबुक पर दिखाई दिए एक आकर्षक विज्ञापन के माध्यम से आरोपियों ने बैंक डिटेल लेकर खाते से रुपए निकाल लिए। मामले की शिकायत साइबर सेल और बैंक में किए जाने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रेखा बाथम (63) पत्नी देवेंद्र कुमार बाथम, डीपीआई से डिप्टी डायरेक्टर पद से सेवानिवृत्त है। उन्होंने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले वह अपने मोबाइल फोन पर फेसबुक देख रही थी। इसी दौरान उन्हें चार धाम यात्रा से संबंधित विज्ञापन दिखाई दिया, जिसमें यात्रा के लिए कई आकर्षक पैकेज और सुविधाओं की जानकारी दी थी। यात्रा करने की इच्छा से उन्होंने विज्ञापन पर क्लिक कर उपलब्ध विकल्पों को देखा। पैकेज बुक करने की प्रक्रिया के दौरान उनसे बैंक खाते से संबंधित जानकारी मांगी गई। यात्रा पंजीयन और भुगतान की औपचारिकता समझकर उन्होंने मांगी गई जानकारी भर दी। इसके कुछ ही समय बाद उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रकम कटने के मैसेज आने लगे। देखते ही देखते उनके खाते से कुल करीब 1 लाख 90 हजार रुपये निकल गए। राशि कटने की जानकारी पर रेखा बाथम ने संबंधित बैंक से संपर्क किया और खाते की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन और साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और ऑनलाइन लिंक की जांच की जा रही है। साइबर विशेषज्ञों की मदद से लेनदेन की पूरी श्रृंखला खंगाली जा रही है।

फेसबुक विज्ञापन के झांसे में आने के बाद दी थी बैंक डिटेल, पुलिस साइबर आरोपियों की तलाश में जुटी

युवती एवं उसकी बहनों की नौकरी झांसा दे 5.60 लाख हड़पे

दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र की डिवाइन फॉर्च्यून कॉलोनी में रहने वाली नेहा पटेल के साथ हुई। नेहा ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में उनकी पहचान जीवन साथी वेबसाइट के माध्यम से शरद पाटीदार नामक व्यक्ति से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और इसी दौरान आरोपी ने स्वयं को प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने आरोपी से अपनी नौकरी के साथ-साथ अपनी बहनों की नौकरी लगवाने की भी बात कही थी। इस पर शरद पाटीदार ने विभिन्न प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए उनसे समय-समय पर पैसे लेना शुरू कर दिए। आरोपी ने नौकरी लगवाने का आश्वासन देकर 5 लाख 60 हजार रुपए ले लिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी न नौकरी मिली न ही रकम वापस मिली। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजनेस कंसल्टेंट के साथ साढ़े 11 लाख रुपए का साइबर फ्राड

भोपाल। टॉस्क पूरा करने पर अच्छा मुनाफा होने का प्रलोभन देकर सायबर जालसाज ने एक बिजनेस कंसल्टेंट को 11 लाख 55 हजार रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी ने कॉल कर उन्हें अपने व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ लिया था। शुरू में कम पैसा लगाने पर मुनाफा होता दिखने लगा। लेकिन बड़ी रकम निवेश करते ही आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर व ग्रुप बंद कर लिया। मिसरोद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रुचि लाइफ स्केप कॉलोनी जाटखेड़ी निवासी शशांक जैन (44) बिजनेस कंसल्टेंट और इंवेस्टर हैं। विगत सात जनवरी 2026 को उनके पास अज्ञात व्यक्ति का कॉल आता है कि टॉस्क पूरा करने पर आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं। उसके बाद कॉल करने वाले जालसाज ने उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ लिया। शुरू में शशांक जैन ने दो हजार रुपए निवेश कर टॉस्क पूरा किया। उनके वॉलेट में एक हजार रुपए का मुनाफा दिखने लगा। इसके बाद उन्होंने पांच हजार रुपए जमा कर टॉस्क पूरा किया। पुलिस ने बताया कि तीन दिन के दौरान फरियादी ने अलग-अलग बार में 11 लाख 55 हजार रुपए जमा कर दिए। अगले दिन सुबह साढ़े 8 बजे जब उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप चेक किया तो पता चला कि जिस ग्रुप से उन्हें जोड़ा गया था वो बंद हो गया है। जिस नंबर पर जालसाज से बात होती थी, वो नंबर भी बंद आने लगा। ठगी का आभास होने पर शशांक जैन ने सायबर सेल में घटना की जानकारी दी। सायबर सेल ने जीरो पर प्रकरण दर्ज कर डायरी मिसरोद थाने भेज दी है।

महिलाओं का पर्स झपटकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार होने वाला बदमाश गिरफ्तार

भोपाल

जीआरपी रानी कमलापति ने चलती ट्रेन में महिला यात्रियों के पर्स झपटकर फरार होने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर सोने के दो सिक्के बरामद किए जिनकी कीमत दो लाख 8 हजार रु. है।

आरोपी की तलाशी में पता चला कि वह झांसी की जेल में किसी अन्य मामले में बंद है। पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर भोपाल लेकर आई है। रेलवे पुलिस के मुताबिक बजरंग चौक थाना कोतवाली खंडवा की सीमा गंगराड़े पत्नी राजेश गंगराड़े (51) 12 दिसंबर 2025 को बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस के कोच ए-1 की बर्थ नंबर 45 पर अमलाई से इंदौर की यात्रा पति के साथ कर रही थीं। इसी दौरान ही उनकी नींद लग गई। रानी कमलापति स्टेशन से ट्रेन के चलने के बाद अज्ञात बदमाश नींद का फायदा उठाकर महिला के सिरहाने रखा लेडीज पर्स झपट्टा मारकर चलती ट्रेन से कूद गया। पर्स में एक आईफोन, छह हजार रुपए नगद समेत एक कीमती घड़ी, दस ग्राम सोने का सिक्का, दो पांच-पांच ग्राम के सोने के सिक्के, एक तीन ग्राम का सोने का सिक्का और एक डायमंड गोल्ड का ब्रेसलेट समेत 3 लाख 11 हजार का सामान था। फरियादिया ने जीआरपी थाना इंदौर में प्रकरण दर्ज कराया था। वहां से डायरी जीआरपी थाना रानी कमलापति भेजी गई।

सोने के सिक्के बरामद, जीआरपी रानी कमलापति तलाश कर रही थी, झांसी की जेल में बंद मिला

दूसरे मामले में झांसी की जेल में बंद था आरोपी

जीआरपी रानी कमलापति को पता चला कि प्रकरण का एक आरोपी आदित्य उर्फ शिब्बू महाराज (24) निवासी ग्राम ककरवई थाना ककरवई जिला झांसी, केंद्रीय जेल झांसी में बंद है। लिहाजा जीआरपी रानी कमलापति ने रेलवे कोर्ट भोपाल से प्रोडक्शन वारंट जारी कर आरोपी को झांसी की जेल से अभिरक्षा में ले लिया। रिमांड पर लेकर आरोपी से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सोने के दो सिक्के जब्त किए हैं। बरामद सिक्कों की कीमत दो लाख 8 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी आदित्य के खिलाफ थाना ककरवई, जीआरपी थाना झांसी और जीआरपी थाना भुसावल में करीब 16 अपराध पंजीबद्ध हैं।

ब्रीफ न्यूज

सिंधी कॉलोनी समेत 45 इलाकों में आज बिजली गुल

भोपाल। राजधानी के करीब 45 इलाकों में बुधवार को 2 से 5 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। बुधवार सुबह 9 से शाम 4 बजे तक पंचवटी फेस-1 और 2, नवी बाग, आराधना नगर, रतन कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, मोतीलाल नगर। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक भैंसाखेड़ी। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बैरसिया रोड, बाफना कॉलोनी, ग्रीन पार्क, नगर निगम कॉलोनी, कांग्रेस नगर, पीजीबीटी रोड, गौतम नगर, शीतल नगर, संत कंवरराम कॉलोनी, गंगौर की बावड़ी, काजी कैम्प। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सिंधी कॉलोनी, पुतलीघर, इस्लामी गेट, बजरिया, शाहजहांनाबाद, इंद्रा नगर, न्यू राजीव नगर, वसुंधरा कॉलोनी, टीला जमालपुरा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी टीला, सलीम चौक, हमीदिया रोड, अब्बास नगर । सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक फिरदोश नगर, शीतला नगर, निशातपुरा, श्रीनगर, सरदार नगर, नारियलखेड़ा। शाम 4 से 6 बजे तक पिपलिया केशो, गुराड़ी घाट, रतनपुर सड़क, नरेला हनुमंत में बिजली की सप्लाई प्रभावित रहेगी।

जनसुनवाई: कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं,188 आवेदन आए

भोपाल। राजधानी में मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जिले के कई क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 188 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण के निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित अफसरों को कार्यवाही के निर्देश दिए।

युवक ने ट्रेन के आते ही लगा दी छलांग मौके पर ही मौत

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित ग्राम फंदा रेलवे लाइन पर दामनिया फाटक के पास सोमवार शाम 6 बजे ट्रेन के सामने छलांग लगाकर युवक ने आत्महत्या कर ली। वह पटरी किनारे झाड़ियों में छिपा बैठा था। ट्रेन के आते ही उसने सामने छलांग लगा दी। पुलिस के मुताबिक स्टेशन मास्टर ने सूचना दी कि दामनिया रेलवे फाटक से करीब एक किमी भीतर 30-35 साल के युवक ने ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसके हाथ-पैर कटकर अलग हो गए और चेहरा भी क्षत-विक्षत हुआ है। मृतक टी-शर्ट और लोअर पहने हुआ था। उसके कपड़ों से कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे पहचान की जा सके। उसके एक हाथ में काला धागा बंधा हुआ है।

युवक पर किया चाकू से हमला

भोपाल। तलैया इलाके में पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला हो गया। हमले में घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपी वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, असद अली (35), प्राइवेट नौकरी करता है। वह रोजाना की तरह सोमवार रात अपने दोस्त अय्यूबदाद, मुद्दसर उर्फ मम्मा और नासिर के साथ बैठा हुआ था। बातचीत में पैसों को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि मुद्दसर और नासिर ने अय्यूबदाद पर चाकू से हमला कर दिया।

तुलसी नगर से 48 मकान खाली कराए,टीटीनगर से 200 हटाएंगे

भोपाल

मंगलवार को नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने संपदा के तुलसी नगर स्थित 48 मकानों को खाली करवाया। इनमें अवैध रूप से परिवार रह रहे थे। बेदखली की कार्रवाई करने पहुंचे अमले को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अब अमला नार्थ और साउथ टीटी नगर स्मार्ट सिटी एरिया से 200 कब्जे खाली करवाएगा। एक-दो दिन में यह कार्रवाई होगी। वहीं गश्ती दलों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई की।

नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी शैलेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि संपदा संचालनालय ने तुलसी नगर के 48 मकानों को खाली करवाने का आवेदन दिया था। संपदा की कार्रवाई में सहयोग करते हुए अमले ने अवैध रूप से सरकारी मकानों में रह रहे परिवारों को बेदखल किया। वहीं अलग-अलग टीमों ने कोलार कान्हाकुंज, निर्मलादेवी गेट, ललिता नगर, डीमार्ट, गरीब नगर, न्यू मार्केट, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, केम्पियन स्कूल, बांसखेड़ी, हबीबगंज थाना, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन, एमपी नगर जोन-1, शैतान सिंह चौराहा, अवधपुरी, इन्द्रपुरी सी-सेक्टर, रायसेन रोड पटेल नगर, अयोध्या बायपास, प्रभात चौराहा, पुष्पा नगर, जहांगीराबाद, चौक बाजार, ईदगाह हिल्स, संजय नगर, छोला दशहरा मैदान, करोंद विश्वकर्मा नगर, करोंद चौराहा, नवीबाग आदि इलाकों से ठेले, गुमठियां, दुकानों के बाहर रखा सामान, अवैध रूप से खड़ी आईसक्रीम की गाड़ी, अवैध रूप से बने चबूतरे हटाए।

इसके अलावा अवधपुरी बीडीए रोड पर 1, अयोध्या बायपास से 4 अवैध टपरे हटाए। जबकि कोलार रोड कान्हा कुंज में अवैध रूप से लगी बागड़ हटाई। इधर जिला प्रशासन की कार्रवाई में सहयोग करते हुए उत्तर विधानसभा के अंतर्गत पुरानी सब्जी मंडी में 1 फल की दुकान खाली कराकर तालाबंदी कराई।

गश्ती दलों ने शहर के अलग अलग इलाकों में कार्रवाई की

15 लाख के जेवरात चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश

भोपाल

कोहेफिजा इलाके में स्थित इंद्रविहार कॉलोनी में रियल एस्टेट कारोबारी के सूने मकान को निशाना बनाकर चोरों ने करीब 15 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। वारदात जब हुई तब कारोबारी ससुराल में था। घर लौटने पर देखा कि घर के सभी ताले टूटे हैं। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मुईन पिता अब्दुल रफीक (27), निवासी इन्द्रविहार कॉलोनी रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं। इन दिनों उनके माता-पिता हज यात्रा पर हैं, रविवार को मुईन व पत्नी दोनों बेगमगंज ससुराल गए थे। अगले दिन देर रात जब वे लौटे तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला।उन्होंने घर में सामान बिखरा था। तलाशी पर पता चला कि अलमारी में रखे करीब 10 तोला सोने-चांदी के जेवरात गायब हैं जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपए है। घटना की जानकारी पीड़ित ने तुरंत पुलिस को दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति और एक कार दिखाई दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। सूत्रों की माने तो फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

रियल एस्टेट कारोबारी परिवार समे त ससुराल गया था, लौटने पर टूटा मिला घर का ताला

सीएम डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व.गौर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

स्व.गौर ने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में बनाई जगह : डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी में मंगलवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व.बाबूलाल गौर की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके कार्यकाल के स्वर्णिम क्षणों का स्मरण किया। सीएम डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि श्रद्धेय बाबूलाल गौर मध्यप्रदेश के ऐसे राजनेता रहे, जिन्होंने अपने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में जगह बनाई। वे सदैव हमारे लिए आशीर्वाददाता की भूमिका में रहे।

राज्य सरकार उनके बताए मार्ग और आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

भोपाल के वीआईपी रोड के विकास में गौर की दृढ़ता हमेशा स्मरणीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व गौर ने अपने राजनीतिक जीवन में विभिन्न जनआंदोलनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका समर्पित सार्वजनिक जीवन और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। बाबूलाल जी गौर ने प्रदेश के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेशवासियों की सेवा की। प्रदेश जनकल्याण के लिए उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजधानी के वीआईपी रोड के विकास में उनकी दृढ़ता स्मरणीय है।

मंत्री, जनप्रतिनिधि तथा परिजनों ने भी अर्पित की पुष्पांजलि

मप्रा विस में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल,कप्तान सिंह सोलंकी, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री,कैलाश विजयवर्गीय, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री,कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक,रामेश्वर शर्मा समेत अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी स्व गौर को पुष्पांजलि अर्पित की।

सफलता एक ही ऑपरेशन से दो कैंसर का इलाज, पीलिया और लगातार वजन कम होने की समस्या लेकर आया था मरीज

एम्स में पित्त नली और किडनी कैंसर से जूझ रहे मरीज की दुर्लभ सर्जरी

भोपाल

उन्नत कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स) के चिकित्सकों ने 52 वर्षीय मरीज के दो अलग-अलग प्राथमिक कैंसरों का एक ही ऑपरेशन में सफल उपचार किया है। यह दुर्लभ और जटिल मामला था, जिसमें मरीज को एक साथ पित्त नली का कैंसर (कोलेंजियोकार्सिनोमा) और किडनी कैंसर (रीनल सेल कार्सिनोमा) था।यूरोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एनेस्थीसियोलॉजी और नर्सिंग विभागों की बहुविषयक टीम ने संयुक्त रूप से सर्जरी कर दोनों कैंसरों को पूरी तरह हटाने में सफलता प्राप्त की। मरीज वर्तमान में तेजी से स्वस्थ हो रहा है। मरीज मधुमेह से पीड़ित था और उसे लगातार बढ़ता पीलिया, पूरे शरीर में खुजली तथा तेजी से वजन कम होने की समस्या थी। विस्तृत जांच में पता चला कि पित्त नली में कैंसर के कारण अवरोध उत्पन्न हो गया है, जिससे पीलिया हो रहा था। साथ ही दाहिनी किडनी में लगभग 6.5 सेंटीमीटर का कैंसरग्रस्त ट्यूमर भी मिला। विशेषज्ञों के अनुसार एक ही मरीज में दो अलग-अलग प्राथमिक कैंसर का एक साथ पाया जाना अत्यंत दुर्लभ स्थिति है।

एक ही सर्जरी में दो बड़ी प्रक्रियाएं

सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टीम ने मरीज की व्हिपल प्रक्रिया सफलतापूर्वक की। यह पित्त नली, अग्न्याशय और आसपास के हिस्सों के कैंसर के उपचार के लिए की जाने वाली अत्यंत जटिल सर्जरी मानी जाती है। इसमें कैंसरग्रस्त हिस्से को निकालने के साथ पाचन तंत्र का पुनर्निर्माण भी किया जाता है। इसी दौरान यूरोलॉजी विभाग की टीम ने राइट रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी कर कैंसरग्रस्त दाहिनी किडनी को पूरी तरह निकाल दिया। एक ही ऑपरेशन में दोनों कैंसरों को हटाने से मरीज को दो अलग-अलग बड़ी सर्जरियों से गुजरने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उसकी रिकवरी की संभावना बेहतर हुई।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

- बिना दर्द वाला पीलिया
- पेशाब में खून आना
- लगातार बुखार बने रहना
- अचानक वजन कम होना
- भूख में कमी
- कमर के एक हिस्से में लगातार दर्द
- लगातार कमजोरी या एनीमिया

बहुविषयक उपचार व्यवस्था की बड़ी सफलता

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी माधवानंद कर ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान की बहुविषयक कैंसर उपचार प्रणाली और विशेषज्ञ चिकित्सकों की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। एम्स भोपाल का सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग जठरांत्र तंत्र, लीवर, अग्न्याशय, पित्ताशय और पित्त नलियों से जुड़े कैंसरों के लिए उन्नत जीआई ऑन्कोसर्जरी सेवाएं प्रदान करता है। वहीं यूरोलॉजी विभाग किडनी, मूत्राशय और प्रोस्टेट कैंसर के उपचार में विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। संस्थान के अनुसार यूरोलॉजी विभाग हर माह लगभग 6 से 7 किडनी कैंसर मरीजों की सर्जरी करता है। पिछले एक वर्ष में करीब 75 किडनी कैंसर मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका है।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506